सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉन ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

फोनः 0141-2202717

मो: 9214203182

वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-251 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, गुरूवार 15 मई , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्यः 2.50

जन सेवा का अप्रतिम उदाहरण बनी मुख्यमंत्री जन-सुनवाई

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील, सेवाभावी और सर्वस्पर्शी कार्यों की त्रिवेणी ने आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण करने का एक तंत्र सुविकसित किया है। जन सेवा को सर्वाच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता के साथ परिवेदनाओं को उसके निष्कर्ष तक पहुंचाना इस तंत्र का आधार है। इससे प्रदेश के युवा, महिला, मजदूर और किसान सहित सभी वर्गों को सुगम सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। मुख्यमंत्री श्री शर्मा के सुस्पष्ट निर्देशों की अनुपालना में जनता की समस्याओं का समयबद्धता निस्तारण किया जा रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई ने जनसेवा का अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता से मीनाक्षी करेगी अपने सपनों को पूरा

गंगापुर सिटी निवासी कैलाश चन्द्र सेन पारिवारिक आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटी मीनाक्षी का स्थानीय विद्यालय में दाखिला नहीं करवा पा रहे थे। कैलाश ने जनसुनवाई में आकर मुख्यमंत्री शर्मा के समक्ष अपनी परिवेदना प्रस्तुत की। इस पर मुख्यमंत्री ने

अधिकारियों को बालिका का नजदीक के विद्यालय में प्रवेश दिलाने के निर्देश दिए। आज मीनाक्षी नजदीक के विद्यालय में आरटीई के तहत निःशुल्क अध्ययन कर रही है। वह नियमित स्कूल जाती है और बड़े गर्व से कहती है कि मैं आगे बढ़ूंगी और अपने माता-पिता का नाम रोशन करूंगी। साथ ही, सक्षम बन विकसित भारत-विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में भूमिका निभाऊंगी।

मजदूर परिवार हुआ मजबूत, नियमित मिल रहा राशन

मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे मुकेश ने जनसुनवाई में मुख्यमंत्री से आर्थिक सहायता के लिए निवेदन किया। इस पर शर्मा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मुकेश को त्वरित राहत देने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशों की पालना में अधिकारियों ने मुकेश का नाम खाद्य सुरक्षा में जुड़वाया। अब मुकेश को नियमित राशन उपलब्ध हो रहा है, जिससे उसे अपने परिवार का भरण-पोषण करने में बहुत संबल मिला है। प्रदेश के मुखिया भजनलाल शर्मा का धन्यवाद देते हुए मुकेश कहते हैं कि उनकी संवेदनशीलता एवं त्वरित निर्णयों से उन्हें बहुत राहत मिली है। इसके लिए मुख्यमंत्री का कोटि-कोटि आभार।

हरीश को मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा में मिल सकेगा मुआवजा

ऑटो-रिक्शा चलाने वाले हरीश के बेटे रोहित का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। इस अकस्मात निधन के परिणामस्वरूप हरीश का पूरा परिवार विषम आर्थिक स्थितियों से जूझ रहा था। इसके साथ ही निश्चित समयावधि में हरीश मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना के तहत आवेदन भी नहीं कर पाए। जिससे उनकी मुसीबतों में इजाफा हुआ। जब हरीश ने उक्त योजना के तहत मुआवजे के लिए मुख्यमंत्री के समक्ष फरियाद की तो श्री शर्मा ने प्रकरण की गंभीरता को समझते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि हरीश को मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना के आवेदन की समयावधि में शिथिलता दी जाए। श्री शर्मा के निर्देशों के पश्चात् आवेदन स्वीकार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री के इस सहानुभूतिपूर्ण निर्णय से हरीश को बड़ी राहत मिल सकेगी।

मुकेश, मीनाक्षी, हरीश तो केवल कुछ ही नाम है लेकिन सैकड़ों-हजारों परिवादियों को मुख्यमंत्री द्वारा की जा रही नियमित जनसुनवाई में अपनी समस्याओं का समाधान मिल रहा है। छोटी हो या बड़ी, हर परिवेदना को निष्कर्ष तक पहुंचाया जा रहा है। सही मायनों में मुख्यमंत्री श्री शर्मा के मार्गदर्शन में राजस्थान में सुराज की प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित हो रही है। एक समृद्ध और खुशहाल राजस्थान का आधार तैयार किया जा रहा है जो 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प की सिद्धि करेगा।

राजस्थान में छात्राओं को भजनलाल सरकार देगी 25 से 40 हजार रुपए

आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेजों में मूल निवासी प्रमाण पत्र और गत वर्ष की अंकतालिका प्रस्तुत करनी होगी

जयपुर। राजस्थान में राज्य सरकार ने कृषि विषय लेकर अध्ययन करने वाली छात्राओं को 11वीं से लेकर पीएचडी करने तक प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि ग्रामीण एवं

शहरी अंचल की आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की ऐसी छात्राएं जो दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद 11वीं में कृषि विषय लेना चाहती हैं और कृषि विषय में ही उच्च अध्ययन करना चाहती हैं, उन्हें यह प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

आवेदन की अंतिम तिथि

योजना में आवेदन की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तक होगी। सूत्रों ने बताया कि कृषि विषय लेकर सीनियर सेकेण्डरी में अध्ययनरत छात्राओं को 15 हजार रुपए प्रतिवर्ष, उद्यानिकी, डेयरी, कृषि अभियांत्रिकी, खाद्य प्रसंस्करण में कृषि स्नातक में अध्ययनरत छात्राओं को 25 हजार रुपए प्रतिवर्ष (चार वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए), श्रीकर्ण नरेन्द्र व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, जोबनेर में बीएससी कृषि एवं कृषि व्यवसाय में अध्ययनरत छात्राओं को 25 हजार रुपए प्रतिवर्ष या पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

यह दस्तावेज जरूरी

इसी प्रकार एमएससी कृषि में अध्ययनरत छात्राओं को 25 हजार रुपए प्रतिवर्ष दो वर्ष के लिए और कृषि विषय में पीएचडी में अध्ययनरत छात्राओं को 40 हजार रुपए प्रतिवर्ष अधिकतम तीन वर्ष के लिए दिए जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि प्रोत्साहन राशि राजस्थान की मूल निवासी ऐसी छात्राओं को दी जाएगी, जो राजकीय एवं राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत हैं। आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेजों में मूल निवासी प्रमाण पत्र और गत वर्ष की अंकतालिका प्रस्तुत करनी होगी।

कूरियर की जीएसटी देने के नाम पर महिला से 1 लाख 20 हजार की ठगी

महिला को इंग्लैंड से गिफ्ट आने का दिया झांसा

नागौर। नागौर जिले के रियांश्यामदास इलाके में साइबर ठग कई नए पैंतरे अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। मंगलवार शाम को दधवाडा ग्राम पंचायत क्षेत्र में कुरियर की जीएसटी के नाम पर साइबर ठगों ने 1 लाख 20 हजार की ठगी कर ली।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र में एक 12 वर्षीय बालक अपनी मम्मी के मोबाइल से गेम खेल रहा था। इस बीच इंस्टाग्राम पर एक मैसेज आया। बच्चे ने मैसेज पर क्लिक कर लिंक ओपन कर लिया। थोड़ी देर बाद मोबाइल पर विदेशी नम्बर से फ़ोन आया। बालक से पूछा कहां से बोल रहे हैं तो उसने बताया नागौर, राजस्थान, भारत बताया। ठग ने कहा कि पहली बार भारत से फोन आया है। हम आपकोंबड़ा गिफ्ट दे रहे हैं। बालक को घर के किसी सदस्य से बात करवाने को कहा। इस पर बालक ने मां मनीषा कंवर से बात करवाई। ठग ने मनीषा को पुरी बात बताई और इंग्लैंड से गिफ्ट भेजने के झांसे में लेकर पूरा पता पूछ लिया। दूसरे दिन 9016791796 नम्बर से महिला के पास फ़ोन आया। फोम करने वाले ने कहा दिल्ली एयरपोर्ट से बोल रहा हूं। आपके लिए इंग्लैंड से एक पार्सल आया है। उसके जीएसटी के 18 हजार रुपए लगेंगे। महिला ने लोभ व इंग्लैंड के गिफ्ट के लिए 18 हजार रुपए भेज दिए। ठग ने महिला से और रुपए मांगे तो महिला ने कहा नहीं है। ठग ने महिला को धमकाते हुए कहा आपके लिए विदेश से पार्सल आया है, अगर आप पैसे नहीं भेजेंगे तो दिल्ली पुलिस आपके खिलाफ कार्रवाई करेगी।

इस तरह ठग ने महिला से 47 हजार, 35 हजार , 20 हजार , 18 हजार सहित कुल 1 लाख 20 हजार रुपए की ठगी कर ली।

साबिर ठग ने बुधवार को फिर से फोन कर 44 हजार रुपए भेजने का कहा। बोला। इस पर महिला ने जीरे व अन्य फसल के बेचने पर मिले पूरे 1 लाख 20 हजार रुपए उसके खाते में डलवा दिए। बाद में रुपए नहीं बचने पर महिला ने पति को फोन कर सारी जानकारी दी।

पति ने तुरंत साइबर एक्सपर्ट व पुलिस अधिकारियों को जानकारी दी। साइबर एक्सपर्ट माधाराम काला व नरसी किलक के कहने पर पीड़ित ने तुरंत साइबर हेल्प लाइन नंबर 1930, साइबर सेल नागौर व पुलिस थाना गोटन में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

साइबर एक्सपर्ट ने किया जागरूक

नागौर साइबर थाने के एक्सपर्ट माधाराम काला व नरसी किलक का कहना है कि साइबर ठगों की ओर से जारी फर्जी मुकदमा दर्ज करवाने, डिजिटल नोटिस का भय दिखाने पर उनके खातों में रुपए जमा नहीं कराए। ऐसे बहुत से फर्जी ईमेल/नोटिस जिसमें आईबी, सीबीआई, इंटरपोल, इंडियन साइबर क्राइम कॉर्डिनेशन सेंटर एवं साइबर अधिकारी होने का दावा कर रुपए जमा करवाने की धमकी दी जाती है। उन्होंने कहा कि ठगों की ओर से कूरियर के नाम पर भी ठगी की जा रही है। इस संबंध में सर्तकता बरतें। ऐसे फर्जी प्रकरणों में आमजन डरें नहीं, रुपए जमा करवाने की बजाय संबंधित पुलिस थाना,साइबर थाना, साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल https://cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करवाएं।

श्री भैरोंसिंह शेखावत मेमोरियल लाइब्रेरी का लोकार्पण 15 मई को

जयपुर। श्री भैरोंसिंह शेखावत स्मृति संस्थान की ओर से 15 मई को शाम पांच बजे विद्याधरनगर स्टेडियम के पास स्थित भैरोंसिंह शेखावत स्मृति स्थल पर श्री भैरोंसिंह शेखावत मेमोरियल लाइब्रेरी का लोकार्पण किया जाएगा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, वन एवं

पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव, सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ लाइब्रेरी का विधिवत उद्घाटन करेंगे । लाइब्रेरी में भैरोंसिंह शेखावत के निजी संग्रह की हजारों पुस्तकें और दस्तावेज विद्यार्थियों, शोधार्थियों सहित प्रदेशवासियों के लिए निशुल्क उपलब्ध हो सकेंगे। इनमें लोकतांत्रिक इतिहास, संसदीय कार्य प्रणाली, विधि, भूगोल से जुड़ी पुस्तकें प्रमुख हैं। अभिमन्यु सिंह राजवी ने बताया कि पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश चंद्र बादल ने लाइब्रेरी के लिए एक करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की थी। जेडीए ने दो साल पूर्व भवन बनाकर दिया था। जेडीए ने यह लाइब्रेरी श्री भैरोंसिंह शेखावत स्मृति संस्थान को सुपुर्द कर दिया था। राजस्थानी स्थापत्य कला शैली की इस लाइब्रेरी का संचालन, देखरेख संस्थान ही करेगा। लाइब्रेरी में अभी करीब पांच हजार पुस्तकें और दस्तावेज रखे जा चुके हैं। इतनी ही पुस्तकें और रखी जानी है। भविष्य में यहां डिजिटल लाइब्रेरी भी बनाई जाएगी। इसकी तैयारियां शुरू हो गई है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों से जुड़े पुस्तकें भी यहां उपलब्ध रहेगी। अध्ययन के लिए अलग से कक्ष भी होंगे। अभिमन्यु राजवी की अगुवाई में बुधवार को तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बुधवार को जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन सहित जेडीए, नगर निगम, पीडब्ल्यू डी सहित अन्य विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी तैयारियां देखी। देर शाम तक जोर शोर से तैयारी चलती रही। लोकसभा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्रियों के लिए विद्याधर स्टेडियम में दो अस्थाई हेलीपैड बनाए गए हैं। बुधवार शाम को हैलीपैड पर हेलीकॉप्टर उतारने की रिहर्सल भी की गई।

मंत्री विजय शाह पर 'फायर' हुई उमा भारती

भोपाल। मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह के द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी किए जाने के बाद से बवाल मचा हुआ है। कांग्रेस जहां मंत्री विजय शाह के इस्तीफे की मांग कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ हाईकोर्ट ने भी मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए मंत्री विजय शाह के खिलाफ स्त्रङ्क दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। इसी बीच अब पूर्व सीएम और भाजपा की फायर ब्रांड नेता उमा भारती ने विजय शाह को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की बात कही है।

उमा भारती ने सोशल मीडिया साइड एक्स पर पोस्ट कर विजय शाह के विवादित बयान पर अपना रूख साफ कर दिया है। अपनी पोस्ट में उमा भारती ने लिखा है- विजय शाह की मंत्री पद से बर्खास्तगी एवं स्त्रङ्क्रदोनों कार्रवाई तुरंत होनी चाहिए क्योंकि उन्होंने पूरे देशवासियों को लज्जित किया है। बता दें कि मंत्री विजय शाह को विवादित बयान देने के कुछ देर बाद ही पार्टी संगठन ने भोपाल तलब किया था और फिर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी रिपोर्ट मांगी है।

विजय शाह ने क्या कहा था?

मध्यप्रदेश सरकार के जनजातीय विभाग और भोपाल गैस त्रासदी विभाग के मंत्री विजय शाह ने मंगलवार को महू में एक कार्यक्रम के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने (आतंकियों) ने कपड़े उतार-उतार के हमारे हिंदुओं को मारा, और मोदी जी ने उनकी बहन (कर्नल सोफिया कुरैशी) को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा। अब मोदी जी कपड़े तो उतार नहीं सकते थे इसलिए उनकी समाज की बहन को भेजा कि तुमने हमारी बहनों को विधवा किया है। तो तुम्हारे समाज की बहन आकर तुम्हें नंगा करके छोड़ेगी।

सहकारिता मंत्री ने किया राज्य भूमि विकास बैंक कार्यालय का विजिट

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बुधवार को नेहरू सहकार भवन स्थित राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक कार्यालय का दौरा किया। उन्होंने इस दौरान बैंक अधिकारियों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना की प्रगति जानकारी प्राप्त की।

दक ने योजना को समुचित रूप से क्रियान्वित करते हुए अधिक से अधिक पात्र ऋणी सदस्यों को योजना से लाभान्वित करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से योजना के संबंध में की जा रही कार्यवाही और अब तक की प्रगति की जानकारी ली।

सीएम के क्षेत्र सांगानेर में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी 4000 रूपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा के निर्वाचन क्षेत्र सांगानेर में एसीबी ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सांगानेर ग्रामीण सुरेन्द्र कुमार को 4000 रूपए रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. जयपुर नगर द्वितीय को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी के स्कूल के बच्चों का रिकॉर्ड अपलोड करने के लिए यूडाईस कोड आवेदन पत्र को संशोधित कर जारी करने की एवज में परिवादी से 15000 हजार रूपए की रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा था व दबाव बनाकर

परिवादी से 10,000 रूपए पूर्व में व 1000 रूपए सत्यापन के दौरान प्राप्त कर लिए।

इस पर एसीबी जयपुर रेंज द्वितीय उप महानिरीक्षक राजेश सिंह के सुपरवीजन में ए.सी.बी. जयपुर नगर द्वितीय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश किलानिया के नेतृत्व में आज मय छोटीलाल पुलिस निरीक्षक एवं अन्य ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए आरोपी सुरेन्द्र कुमार कार्यवाही मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, सांगानेर ग्रामीण, जयपुर को 4000 रूपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरवीजन में आरोपियों से पूछताछ तथा कार्रवाई जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

जयपुर में नशीली चाय पिला और इंजेक्शन लगाकर एक करोड़ से ज्यादा लूटे

जयपुर। मासूम सा दिखने वाला यह नेपाली जोड़ा बेहद शातिर है। जोड़े ने पहले मजबूरी बताकर काम मांगा और फिर मौका पाकर घरवालों को नशीली चाय पिला और इंजेक्शन लगाकर एक करोड़ से अधिक की लूट कर डाली। घर का मालिक भी ऐसा इनकी बातों में आया कि उसने इनके आइडी तो लिए लेकिन पुलिस वैरिफिकेशन कराने की आवश्यकता ही नहीं समझी। अब पुलिस इस नेपाली जोड़े को जोड़े को जयपुर और अन्य राज्यों में तलाश रही है।

यह वारदात जयपुर के वैशाली नगर में कांग्रेस नेता एवं बंजर भूमि एवं चारागाह विकास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष संदीप चौधरी के घर पर हुई। नौकर नेपाली दंपती भरत और काजल ने दो साथियों के साथ मिलकर संदीप की मां और पत्नी को नशीली चाय पिलाई, इंजेक्शन लगाया। फिर अपने दो साथियों के साथ अलमारी में रखा एक किलो सोना, डायमंड का नेकलेस, अंगूठी, कड़ा और 6.5 लाख के जेवर चुरा ले गए। पुलिस को घर के बाहर लगी सीसीटीवी फुटेज में आरोपी वारदात के बाद घर से बाहर जाते दिखाई दे रहे है।

अचेत अवस्था में मिले घरवाले

संदीप जयपुर से बाहर गए हुए थे। उन्होंने सुबह करीब आठ बजे मां कृष्णा, पत्नी ममता बेटी राजश्री और बेटा राजदीप को फोन किया। जब किसी ने फोन नहीं उठाया तो पड़ोस में रहने वाले भांजे रोहित को फोन किया। रोहित ने पिता बाबूलाल को मामा संदीप के घर भेजा। वहां देखा तो संदीप की मां कृष्णा और पत्नी ममता अचेत हालत में बिस्तर पर पड़ी थी। उनका बेटी राजश्री और नाबालिग बेटा सो रहे थे। वहीं घर में रखे नेपाली नौकर दंपती गायब थे। इस पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी, और अचेत अवस्था में दोनों को पास में स्थित अस्पताल पहुंचाया यहां से निजी अस्पताल में रैफर किया गया।

17 दिन पहले रखा था नौकरी पर

नेपाली दंपती भरत और काजल ने संदीप की मां और पत्नी को पहले नशीली चाय पिलाई, फिर इंजेक्शन भी लगाया। भरत ने पत्नी काजल और दो साथियों के साथ मिलकर घर में रखे जेवर और नकदी चुरा लिए। इस दौरान काजल ने संदीप के बेटे और बेटी के कमरों के आगे खड़े होकर उनकी रैकी। संदीप ने बताया कि मां के सिर और हाथ पर चोट के निशान है। ने नेपाली दंपती को 28 अप्रेल को ही 28 हजार रुपए महीने पर रखा था।

राजस्थान विधानसभा जनदर्शन से विद्यार्थियों में बढ़ रही लोकतंत्र की समझ-देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की राजस्थान विधान सभा जनदर्शन पहल का प्रदेश के विद्यालय और अन्य संस्थानों के विद्यार्थी, अधिकारी और कर्मचारी लाभ उठा रहे है। राजस्थान विधानसभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय और गुलाबी नगर की तर्ज पर गुलाबी रंग के नये परिवेश में तैयार हुए राजस्थान विधानसभा के सदन को लोग निरन्तर देखने आ रहे है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी द्वारा विधानसभा के डिजिटल संग्रहालय को राज्य के पर्यटन नक्शे में स्थान दिलाये जाने से दर्शकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। बुधवार को राजस्थान विधानसभा को दिशा संस्थान, चिलड्रन

एकेडमी सहित तीन विद्यालयों के बच्चों और शिक्षकों ने देखा। दिशा संस्था की निदेशक भारती खूटेंटा ने जनदर्शन के तहत विधान सभा सदन और डिजिटल म्यूजियम को देखने का अवसर प्रदान करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का आभार ज्ञापित किया है।देवनानी ने कहा है कि राजनैतिक आख्यान संग्रहालय राजस्थान राज्य के गौरवमयी इतिहास, भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में राजस्थान की भूमिका और राजस्थान निर्माण के पदसोपानों को प्रदर्शित करता है। वे महान राजनीतिज्ञ जिनके योगदान के लिए यह राजस्थान सदैव ऋणी रहेगा, इस संग्रहालय में चिरस्मरणीय रहेंगे।

मानव सभ्यता का शिखर एवं रिश्तों का स्वर्ग है परिवार

एकल परिवार में पापा-मम्मी और बच्चे रहते हैं। संयुक्त परिवार में पापा-मम्मी, बच्चे, दादा दादी, चाचा, चाची, बड़े पापा, बड़ी मम्मी, बुआ इत्यादि रहते हैं। संयुक्त परिवार टूटने एवं बिखरने की त्रासदी को भोग रहे लोगों के लिये यह दिवस बहुत महत्वपूर्ण है। वास्तव में मानव सभ्यता की अनूठी पहचान है संयुक्त परिवार और वह जहां है वहीं स्वर्ग है। रिश्तों और प्यार की अहमियत को छिन्न-भिन्न करने वाले पारिवारिक सदस्यों की हरकतों एवं तथाकथित आधुनिकतावादी सोच से जहां बुढ़ापा कांप उठता है, वहीं बच्चों की दुनिया को भी बहुत सारे आयोजनों से बेदखल कर दिया है। दुख सहने और कष्ट झेलने की शक्ति जो संयुक्त परिवारों में देखी जाती है वह एकल रूप से रहने वालो में दूर-दूर तक नहीं होती है। आज के अत्याधुनिक युग में बढ़ती महंगाई और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए संयुक्त परिवार समय की मांग कहे जा सकते हैं।

(लेखक - ललित गग)

(अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस, 15 मई 2025)

वैश्विक परिवार दिवस दुनिया भर के लोगों में प्यार, सद्भाव, एकता को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित विश्व उत्सव है। संयुक्त राष्ट्र ने परिवारों के महत्व और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिन की स्थापना की। परिवार हमें एकसूत्रता में बांधता है, रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझाता है, सभी पारिवारिकजनों में प्यार बढ़ाता है। हमें एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने और हमारे भावनात्मक संबंधों को मजबूत करते हुए बेहतर इंसान बनाने में करता है। संयुक्त राष्ट्र ने माना कि बदलती आर्थिक और सामाजिक संरचनाएं दुनियाभर में पारिवारिक इकाइयों को प्रभावित कर रही हैं, इसलिए, 1993 में इसने आधिकारिक तौर पर 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के रूप में घोषित किया। जैसाकि दुनिया दोहा, कतर में 4-6 नवंबर 2025 में सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रही है, तब अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस सतत विकास को आगे बढ़ाने में परिवार-उन्मुख नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालेगा, जो गरीबी उन्मूलन, सभ्य कार्य और सामाजिक समावेशन के प्रति प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। 'सतत विकास के लिए परिवार-उन्मुख नीतियां: सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की ओर' थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पहलों से महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि को उजागर किया जाएगा, जिसमें सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकीय परिवर्तन, जनसांख्यिकीय बदलाव, शहरीकरण, प्रवासन और जलवायु परिवर्तन जैसी बड़ी प्रवृत्तियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय विकास एजेंडा में परिवार-केंद्रित नीतियों को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया जाएगा। परिवार में रिश्तों की एक मज़बूत डोर होती है, सहयोग के अटूट बंधन होते हैं, एक-दूसरे की सुरक्षा के वादे और इरादे होते हैं। हमारा यह फ़र्ज़ है कि इस रिश्ते की गरिमा को बनाए रखें। हमारी संस्कृति एवं परंपरा में पारिवारिक एकता पर हमेशा से बल दिया जाता रहा है। प्राणी जगत एवं सामाजिक संगठन में परिवार सबसे छोटी इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना भी दुष्कर है, प्रत्येक व्यक्ति किसी-न-किसी परिवार का सदस्य होकर ही अपनी जीवन यात्रा को सुखद, समृद्ध, विकासोन्मुख बना पाता है। उससे अलग होकर उसके अस्तित्व को सोचा नहीं जा सकता है। हमारी संस्कृति और सभ्यता अनेक परिवर्तनों से गुजर कर अपने को परिष्कृत करती रही है, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। वह बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि एवं जीवन की परिपूर्णता-सार्थकता अनुभव करते हैं। परिवार का महत्व न केवल भारत में बल्कि दुनिया में सर्वत्र है।

आधुनिक समाज में परिवार का विघटन आम बात हो चुकी है। ऐसे में परिवार न टूटे इस मिशन एवं विजन के साथ अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। परिवार के बीच में रहने से आप तनावमुक्त व प्रसन्नचित्त रहते हैं, साथ ही आप अकेलेपन या डिप्रेशन के शिकार भी नहीं होते, यही नहीं परिवार के साथ रहने से आप कई सामाजिक बुराइयों से अछूते भी रहते हैं। परिवार दो प्रकार के होते हैं- एक एकल परिवार और दूसरा संयुक्त परिवार। एकल परिवार में पापा-मम्मी और बच्चे रहते हैं। संयुक्त परिवार में पापा-मम्मी, बच्चे, दादा दादी, चाचा, चाची, बड़े पापा, बड़ी मम्मी, बुआ इत्यादि रहते हैं। संयुक्त परिवार टूटने एवं बिखरने की त्रासदी को भोग रहे लोगों के लिये यह दिवस बहुत महत्वपूर्ण है। वास्तव में मानव सभ्यता की अनूठी पहचान है संयुक्त परिवार और वह जहां है वहीं स्वर्ग है। रिश्तों और प्यार की अहमियत को छिन्न-भिन्न करने वाले पारिवारिक सदस्यों की हरकतों एवं तथाकथित आधुनिकतावादी सोच से जहां बुढ़ापा कांप उठता है, वहीं बच्चों की दुनिया को भी बहुत सारे आयोजनों से बेदखल कर दिया है। दुख सहने और कष्ट झेलने की शक्ति जो संयुक्त परिवारों में देखी जाती है वह एकल रूप से रहने वालो में दूर-दूर तक नहीं होती है। आज के अत्याधुनिक युग में बढ़ती महंगाई और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए संयुक्त परिवार समय की मांग कहे जा सकते हैं।

भारत गांवों का देश है, परिवारों का देश है, शायद यही कारण है कि न चाहते हुए भी आज हम विश्व के सबसे बड़े जनसंख्या वाले राष्ट्र के रूप में उभर चुके हैं और शायद यही कारण है कि आज तक जनसंख्या दबाव से उपजी चुनौतियों के बावजूद, एक 'परिवार' के रूप में, जनसंख्या नीति बनाये जाने की जरूरत महसूस नहीं की। ईंट, पत्थर, चूने से बनी दीवारों से घिरा जमीं का एक हिस्सा घर-परिवार कहलाता है जिसके साथ 'मैं' और 'मेरापन' जुड़ा है। संस्कारों से प्रतिबद्ध संबंधों की संगठनात्मक इकाई उस घर-परिवार का एक-एक सदस्य है। हर सदस्य का सुख-दुख एक-दूसरे के मन को छूता है। प्रियता-अप्रियता के भावों से मन प्रभावित होता है। घर-परिवार जहां हर सुबह रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, चिकित्सा की समुचित व्यवस्था की जुगाड़ में धूप चढ़ती है और आधी-अधूरी चिंताओं का बोझ ढोती हुई हर शाम घर-परिवार आकर ठहरती है। कभी लाभ, कभी हानि, कभी सुख, कभी दुख, कभी संयोग, कभी वियोग, इन द्वंद्वात्मक परिस्थितियों के बीच जिंदगी का कालचक्र गति करता है। आदमी की हर कोशिश 'घर-परिवार' बनाने की रहती है। सही अर्थों में घर-परिवार वह जगह है जहां स्नेह, सौहार्द, सहयोग, संगठन सुख-दुख की साझेदारी, सबमें सबक होने की स्वीकृति जैसे जीवन-मूल्यों को जीया जाता है। जहां सबको सहने और समझने का पूरा अवकाश है। अनुशासन के साथ रचनात्मक स्वतंत्रता है। निष्ठा के साथ निर्णय का अधिकार है। जहां बचपन सत्संस्कारों में पलता है। युवकत्व सापेक्ष जीवनशैली से जीता है। वृद्धत्व जीए गए अनुभवों को सबके बीच बांटता हुआ सहिष्णु और संतुलित रहता है। ऐसा घर-परिवार निश्चित रूप से पूजा का मंदिर बनता है।

परिवार एक संसाधन की तरह होता है। फिर क्या कारण है कि आज किसी भी घर-परिवार के वातायन से झांककर देख लें-दुख, चिंता, कलह, ईर्ष्या, घृणा, पक्षपात, विवाद, विरोध, विद्रोह के साये चलते हुए दीखेंगे। अपनों के बीच भी परायेपन का अहसास पसरा हुआ होगा। विचारभेद मनभेद तक पहुंचा देगा। विश्वास संदेह में उतर आएगा। ऐसी अनकही तनावों की भीड़ में आदमी सुख के एक पल को पाने के लिए तड़प जाता है। कोई किसी के सहने/समझने की कोशिश नहीं करता। क्योंकि उस घर-परिवार में उसके ही अस्तित्व के दायरे में उद्देश्य, आदर्श, उम्मीदें, आस्था, विश्वास की बदलती परिधियां केंद्र को ओझल कर भटक जाती हैं। विघटन शुरू हो जाता है। भारतीय परिवार में परिवार की मर्यादा और आदर्श परंपरागत है। विश्व के किसी अन्य समाज में गृहस्थ जीवन की इतनी पवित्रता, स्थायीपन, और पिता-पुत्र, भाई-भाई और पति-पत्नी के इतने अधिक व स्थायी संबंधों का उदाहरण प्राप्त नहीं होता। विभिन्न क्षेत्रों, धर्मों, जातियों में सम्पत्ति के अधिकार, विवाह और विवाह विच्छेद आदि की प्रथा की दृष्टि से अनेक भेद पाए जाते हैं, किंतु फिर भी 'संयुक्त परिवार' का आदर्श सर्वमान्य है। अधिकतर परिवार में तीन पीढ़ियों और कभी कभी इससे भी अधिक पीढ़ियों के व्यक्ति एक ही घर में, अनुशासन में और एक ही रसोईघर से संबंध रखते हुए सम्मिलित संपत्ति का उपभोग करते हैं और एक साथ ही परिवार के धार्मिक कृत्यों तथा संस्कारों में भाग लेते हैं। मुसलमानों और ईसाइयों में संपत्ति के नियम भिन्न हैं, फिर भी संयुक्त परिवार के आदर्श, परंपराएं और प्रतिष्ठा के कारण इनका सम्पत्ति के अधिकारों का व्यावहारिक पक्ष परिवार के संयुक्त रूप के अनुकूल ही होता है। संयुक्त परिवार का कारण भारत की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के अतिरिक्त प्राचीन परंपराओं तथा आदर्श में निहित है। रामायण और महाभारत की गाथाओं द्वारा यह आदर्श जन-जन में संप्रेषित है। इंसानी रिश्तों एवं पारिवारिक परम्परा के नाम पर उठा जिन्दगी का यही कदम एवं संकल्प कल की अगवानी में परिवार के नाम एक नायाब तोहफा होगा।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

आदमपुर का संदेश

सोमवार को राष्ट्र को संबोधित करने के बाद मंगलवार की सुबह अचानक पंजाब स्थित आदमपुर एयरबेस की यात्रा करके प्रधानमंत्री ने सबको चौंकाया। प्रतीकों के जरिये संदेश देने की कला में माहिर प्रधानमंत्री की इस यात्रा को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। निस्संदेह, इस यात्रा के गहरे निहितार्थ थे। पहले तो 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तानी हमले के सामने अभेद्य दीवार बनकर खड़े रहे इस एयरबेस के वायु सैनिकों का मनोबल बढ़ाना था, तो दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के सामने पाक को बेनकाब करना था। दरअसल, पाक ने दावा किया था कि उसने आदमपुर एयरबेस पर हमले करके 'सुदर्शन चक्र' यानी एस-400 को तबाह कर दिया है। प्रधानमंत्री ने इस एयरबेस में वायु सेना के कर्मियों से बातचीत की और शानदार काम के लिये उनकी पीठ थपथपायी। निश्चय ही प्रधानमंत्री का वायु सैनिकों के बीच जाकर उनका उत्साहवर्धन करना प्रेरक पहल है। निस्संदेह, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना की भूमिका निर्णायक रही। आतंकी ठिकानों और सैन्य हवाई अड्डों पर सटीक हमले इस ऑपरेशन के कामयाब लक्ष्य रहे। सबसे महत्वपूर्ण इस दौरान भारत की बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली की प्रभावशीलता रही। जिसने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों और नागरिक क्षेत्रों पर हमले की पाकिस्तान की तमाम कोशिशों को विफल बना दिया । उल्लेखनीय है कि सोमवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तानी ड्रोनों और मिसाइलों को तिनके की तरह मार गिराने के लिये देश के वायु रक्षा कवच की मुक्तकंठ से प्रशंसा की थी। ठीक अगले ही दिन, उन्होंने आदमपुर एयरबेस की यात्रा की और वायु सैनिकों का मनोबल बढ़ाया। निश्चित रूप से यह हमारे वायु योद्धाओं और सशस्त्र बलों की बहादुरी को देश का हृदय से सलाम ही था। साथ ही प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के दुष्प्रचार की जड़ पर प्रहार किया। दरअसल पड़ोसी पाक दावा करता रहा है कि उसकी मिसाइलों ने आदमपुर में भारतीय वायु रक्षा प्रणाली एस-400 को ध्वस्त कर दिया है। उल्लेखनीय है कि जब प्रधानमंत्री वायु सैनिकों को संबोधित कर रहे थे तो पृष्ठभूमि में स्पष्ट रूप से सही-सलामत 'सुदर्शन चक्र' दिखायी दे रहा था। अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को सच बताने के लिये ये काफी था। एयरबेस में वायु सेना कर्मियों व अधिकारियों में खासा उत्साह दिखायी दिया। जो पाक को स्पष्ट संदेश दे गया कि वायु सेना के पास जश्न मनाने की वजह मौजूद है। निश्चित रूप से पाकिस्तान के मुकाबले भारत की वायु शक्ति की श्रेष्ठता पर कभी संदेह नहीं रहा। लेकिन यह 'ऑपरेशन सिंदूर' ही था, जिसने नये युग के युद्ध में भारतीय वायुसेना की दक्षता सिद्ध की। देश की वायु सेना युद्ध शक्ति, आक्रमण, रक्षा क्षमता,आधुनिकीकरण और रसद आपूर्ति के मामले में दुनिया में सर्वश्रेष्ठ वायुसेनाओं में से एक है। वैश्विक स्तर पर,यह चीन,इस्राइल और फ्रांस की वायु सेनाओं से भी बेहतर है। यही वजह है कि भारतीय वायुसेना को उपमहाद्वीप में स्पष्ट व निर्णायक बढ़त प्राप्त है। जिसके चलते पाकिस्तान को किसी दुस्साहस करने से रोका जा सका है। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता इस बात की गवाह है कि अचूक मिग-29 फाइटर जेट्स और 'सुदर्शन चक्र' एस-400 की ताकत ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया।

महान रेडियोधर्मिता वैज्ञानिक- पियरे क्यूरी

(लेखक - संजय गोस्वामी/ईएमएस)

(जन्म तिथि 15 मई पर विशेष)

पियरे क्यूरी का जन्म 15 मई, 1859 को पेरिस में हुआ था, जहाँ उनके पिता एक सामान्य चिकित्सक थे, । सोरबोन में विज्ञान संकाय में प्रवेश करने से पहले उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा घर पर ही प्राप्त की। उन्होंने 1878 में भौतिकी में अपना लाइसेंस प्राप्त किया और 1882 तक भौतिकी प्रयोगशाला में एक प्रदर्शक के रूप में काम करते रहे, जब उन्हें भौतिकी और औद्योगिक रसायन विज्ञान स्कूलों में सभी व्यावहारिक कार्यों का प्रभारी बनाया गया। 1895 में उन्होंने डॉक्टर ऑफ साइंस की डिग्री प्राप्त की और भौतिकी के प्रोफेसर नियुक्त किए गए। उन्हें 1900 में विज्ञान संकाय में प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया और 1904 में वे टाइटिलर प्रोफेसर बन गए। क्रिस्टलोग्राफी पर अपने शुरुआती अध्ययनों में, अपने भाई जैक्स के साथ, क्यूरी ने पीजोइलेक्ट्रिक प्रभावों की खोज की। बाद में, उन्होंने कुछ भौतिक घटनाओं के संबंध में समरूपता के सिद्धांतों को आगे बढ़ाया और चुंबकत्व पर अपना ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने दिखाया कि किसी दिए गए पदार्थ के चुंबकीय गुण एक निश्चित तापमान पर बदल जाते हैं - इस तापमान को अब क्यूरी बिंदु के रूप में जाना जाता है। अपने प्रयोगों में सहायता के लिए उन्होंने कई उपकरण बनाए - तराजू, इलेक्ट्रोमीटर, पीज़ोइलेक्ट्रिक क्रिस्टल, आदि।क्यूरी ने रेडियोधर्मी पदार्थों के अध्ययन अपनी पत्नी के साथ मिलकर किए, जिनसे उन्होंने 1895 में विवाह किया था। वे बहुत कठिनाई की परिस्थितियों में प्राप्त किए गए थे - प्रयोगशाला की पर्याप्त सुविधाएँ नहीं थीं और अपनी आजीविका कमाने के लिए बहुत अधिक शिक्षण करने के तनाव में थे। उन्होंने 1898 में पिचब्लेंड के विभाजन द्वारा रेडियम और पोलोनियम की खोज की घोषणा की और बाद में उन्होंने रेडियम और इसके परिवर्तन उत्पादों के गुणों को स्पष्ट करने के लिए बहुत कुछ किया। इस युग में उनके काम ने परमाणु भौतिकी और रसायन विज्ञान में बाद के अधिकांश शोधों का आधार बनाया। 1903 में उन्हें बेक्वेरेल द्वारा खोजे गए स्वत:स्फूर्त विकिरण पर उनके अध्ययन के कारण भौतिकी के लिए नोबेल पुरस्कार का आधा हिस्सा दिया गया, जिसे पुरस्कार का दूसरा आधा हिस्सा दिया गया।उनकी पत्नी पूर्व में मैरी स्क्लोडोव्स्का थीं, जो पोलैंड के वारसॉ में एक माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक की बेटी थीं। एक बेटी, आइरीन ने फ्रेडरिक जोलियट से शादी की और वे 1935 में रसायन विज्ञान के लिए नोबेल पुरस्कार के संयुक्त प्राप्तकर्ता थे। छोटी बेटी, ईव ने अमेरिकी राजनयिक एच.आर. लैबौइस से शादी की। वे दोनों सामाजिक समस्याओं में गहरी रुचि रखते थे, और संयुक्त राष्ट्र के बाल कोष के निदेशक के रूप में उन्होंने 1965 में ओस्लो में इसकी ओर से नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त किया। वह अपनी मां मैडम क्यूरी (गैलीमार्ड, पेरिस, 1938) की एक प्रसिद्ध जीवनी की लेखिका हैं, जिसका कई भाषाओं में अनुवाद किया गया है।पियरे क्यूरी एक फ्रांसीसी भौतिक रसायनज्ञ थे, जिन्होंने 1903 में अपनी पत्नी मैरी क्यूरी के साथ भौतिकी के लिए नोबेल पुरस्कार जीता था। उन्होंने और मैरी ने रेडियोधर्मिता की अपनी जांच में रेडियम और पोलोनियम की खोज की। एक प्रतिष्ठित भौतिक विज्ञानी, वे आधुनिक भौतिकी के प्रमुख संस्थापकों में से एक थे। अपने चिकित्सक पिता द्वारा प्रशिक्षित, क्यूरी ने 14 वर्ष की आयु में गणित के प्रति प्रेम विकसित किया और स्थानिक ज्यामिति के लिए एक निश्चित योग्यता दिखाई, जिसने बाद में क्रिस्टलोग्राफी में उनके काम में उनकी अच्छी सेवा की। 16 वर्ष की आयु में मैट्रिकुलेशन और 18 वर्ष की आयु में लाइसेंस प्राप्त करने के बाद, 1878 में उन्हें सोरबोन में प्रयोगशाला सहायक नियुक्त किया गया। वहाँ क्यूरी ने अपना पहला काम थर्मल तरंगों की तरंग दैर्ध्य की गणना करना किया। इसके बाद क्रिस्टल के अधिक महत्वपूर्ण अध्ययन हुए, जिसमें उन्हें उनके बड़े भाई जैक्स ने सहायता की। समरूपता के नियमों के अनुसार क्रिस्टलीय पदार्थों के वितरण की समस्या उनके प्रमुख कार्यों में से एक थी। क्यूरी बंधुओं ने पायरोइलेक्ट्रिसिटी की घटना को उस क्रिस्टल के आयतन में परिवर्तन से जोड़ा जिसमें यह दिखाई देता है, और इस प्रकार पीजोइलेक्ट्रिसिटी की खोज की। बाद में पियरे ने तुल्यता का सिद्धांत तैयार किया, जिसमें कहा गया है कि किसी दी गई भौतिक प्रक्रिया को ऐसी अवस्था में लाना असंभव है जिसमें प्रक्रिया की विषमता के एक निश्चित छोटे तत्व का अभाव हो। इसके अलावा, यह विषमता प्रभाव में नहीं पाई जा सकती है यदि यह कारण से पहले न हो। उन्होंने विभिन्न भौतिक अवस्थाओं की तुल्यता का वर्णन किया।पियरे और मैरी क्यूरी अपनी बेटी आइरीन थीपेरिस में इकोले डेस फिजिक्स एट डी केमी इंडस्ट्रियल के निदेशक (1882) नियुक्त होने के बाद, क्यूरी ने अपना शोध फिर से शुरू किया और अंतिम भार को सीधे पढ़कर एक अप्रतिवर्ती संतुलन बनाकर विश्लेषणात्मक संतुलन को पूर्ण करने में सक्षम थीं। फिर उन्होंने चुंबकत्व पर अपना प्रसिद्ध अध्ययन शुरू किया। उन्होंने यह पता लगाने के उद्देश्य से एक डॉक्टरेट थीसिस लिखने का बीड़ा उठाया कि क्या तीन प्रकार के चुंबकत्व के बीच कोई संक्रमण था- फेरोमैग्नेटिज्म, पैरामैग्नेटिज्म और डायमैग्नेटिज्म। चुंबकीय गुणांकों को मापने के लिए, उन्होंने 0.01 मिलीग्राम वजन का एक मरोड़ संतुलन बनाया, जो अभी भी उपयोग में है और इसे क्यूरी संतुलन कहा जाता है। उसने पाया कि पैरामैग्नेटिक निकायों के आकर्षण के चुंबकीय गुणांक निरपेक्ष तापमान के साथ व्युत्क्रमानुपाती रूप से भिन्न होते हैं - क्यूरी का नियम। फिर उन्होंने पैरामैग्नेटिक निकायों और पूर्ण गैसों के बीच और परिणामस्वरूप, फेरोमैग्नेटिक निकायों और घने तरल पदार्थों के बीच एक सादृश्य स्थापित किया। क्यूरी द्वारा प्रदर्शित अनुचुम्बकत्व और प्रतिचुम्बकत्व के पूरी तरह से अलग चरित्र को बाद में पॉल लैंग्विन ने सैद्धांतिक रूप से समझाया था। 1895 में क्यूरी ने चुंबकत्व पर अपने थीसिस का बचाव किया और विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।1894 के वसंत में क्यूरी की मुलाकात मैरी स्कोलोडोस्का से हुई और उनके विवाह (25 जुलाई, 1895) ने एक विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक सफलता की शुरुआत की, जिसकी शुरुआत (1898 में) पोलोनियम और फिर रेडियम की खोज से हुई।

(चिंतन-मनन)

दूसरे की गलती

चिंतन मनन

एक बार गुरु श्यामानंद ने अपने चार शिष्यों को एक पाठ पढ़ाया। पढ़ाने के बाद वह अपने शिष्यों से बोले, अब तुम चारों इस पाठ का बार-बार अध्ययन कर इसे याद करो। इस बीच यह ध्यान रखना कि तुम में से कोई बोले नहीं। थोड़ी देर बाद मैं तुमसे इस पाठ के बारे में बात करूंगा। यह कहकर श्यामानंद वहां से चले गए। उनके जाने के बाद चारों शिष्य अलग-अलग बैठकर पाठ का अध्ययन करने लगे। अचानक बादल घिर आए और वर्षा की संभावना बन गई। यह देखकर एक शिष्य बोला, लगता है, तेज बारिश होगी। यह सुनकर दूसरे ने कहा, तु?हें बोलना नहीं चाहिए था। तभी तीसरा बोला, तुम लोगों ने बोलकर गुरुजी की आज्ञा भंग कर दी है। चौथा शिष्य चुपचाप पाठ पढ़ता रहा। इसी बीच श्यामानंद वहां आ गए। उन्हें देखकर पहला शिष्य बोला, गुरुजी, यह मौन नहीं रहा और बोलने लगा। दूसरा शिष्य बोल पड़ा, तो तुम कौन सा मौन थे। तुम भी तो बोल पड़े थे। तीसरे ने कहा, इन दोनों ने बोलकर आपकी आज्ञा भंग कर दी है। यह सुनकर दोनों तपाक से बोले, तुम भी तो बोल ही पड़े थे। मगर चौथा शिष्य अभी भी चुप था। उसे देखकर गुरुजी बोले, तुम में से केवल इसने ही मेरी आज्ञा मानी। यह निश्चय ही आगे चलकर बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य करेगा क्योंकि इसके भीतर पर्याप्त धैर्य और एकाग्रता है। यह किसी के बहकावे में नहीं आता न ही किसी क्षणिक हलचल से विचलित होता है। तुम तीनों के भविष्य को लेकर मुझे शंका है क्योंकि तुम तीनों एक दूसरे का दोष निकालने के कारण स्वयं भी गलती कर बैठे। अधिकतर लोग ऐसा ही करते हैं। वे दूसरे को उसकी गलती बताने के चक्कर में स्वयं भी गलती कर बैठते हैं और फिर स्वयं कब गलत मार्ग पर चलने लगते हैं, इसका उन्हें आभास तक नहीं होता। यह सुनकर तीनों शिष्यों का सिर शर्म से झुक गया।

विचार मंथन

ट्रोलर्स के सामने बेबस आईएएस-आईपीएस?

(लेखक - सनत जैन)

भारतीय संविधान के अनुसार देश की प्रशासनिक व्यवस्था (कार्यपालिका) के प्रमुख स्तंभ आईएएस और आईपीएस अधिकारी इतने बेबश होंगे, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। लोकतंत्र के स्तंभ अधिकारी जब अपनी ही रक्षा नहीं कर पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में आम नागरिक किस हालत मे रह रहे होंगे। इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। हाल ही में विदेश सचिव विक्रम मिशरी उनकी बेटी और उनके परिवार जनों पर जिस तरह से ट्रोलरों द्वारा उनके ऊपर हमला किया। ट्विटर अकाउंट पर उन्हें गद्दार, देशद्रोही और ऐसे ऐसे शब्दों से उन्हें और उनके परिवार को नवाजा गया। उससे वह इतने हताहत और भयभीत हुए, उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट को प्राइवेट कर दिया। कुछ इसी तरह की घटना हिमांशी नरवाल के साथ हुई थी। उनके पति सेना में थे, कुछ दिन पहले ही शादी हुई थी। पहलगाम हनीमून मनाने गए थे, वहां आतंकी घटना में उनके पति की आतंकियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। हिमांशी ने कश्मीर के लोगों के बारे में बताते हुए कहा, कश्मी रियों ने घटना के बाद सबकी मदद की है। उनकी इतना कहते ही सोशल मीडिया पर ट्रोलरों ने सेना के अधिकारी की विधवा हिमांशी पर हमला करते हुए उसे जिस तरीके से अपमानित किया है। सारे देश ने वह देखा है। सोशल मीडिया के ट्रोलर्स जिन्हें सत्ताधारी राजनीतिक दल का संरक्षण प्राप्त है। वह सत्ताधारी दल की विचारधारा के विपरीत यदि कोई बात कह देता है, तो उसे देशद्रोही, गद्दार, पाकिस्तान चले जाओ और तरह-तरह के ऐसे शब्दों से नवाजा जाता है। जिसे ट्रोल किया गया है वह डर तथा भय के कारण शांत होकर बैठ जाता है। सरकार और प्रशासन द्वारा इन ट्रोलरों को नजर अंदाज कर दिया जाता है। ट्रोलिंग की इस अराजक संस्कृति ने संविधान प्रदत अ भिव्य क्ति की स्वतंत्रता का लाभ उन परिवारों को निशाना बनाने के लिये किया जाता है, उनकी व्यक्तिगत गरिमा को चोट पहुंचाई जाती है। व्य क्तिगत कार्यशैली और निष्पक्षता पर भी सवालिया निशान लगाकर सोशल मीडिया में अपमानित किया जा रहा है। उसके बाद भी ऐसे लोगों पर कार्यवाही नहीं होना आश्चर्य का विषय है। कार्यवाही करने की जिम्मेदारी आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के ऊपर है। वह निंदा तो कर रहे हैं, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। इससे समझा जा सकता है हमारा प्रशासनिक तंत्र राजनेताओं के सामने किस तरह से बेबस है। भारतीय संविधान में नागरिकों को जो मौलिक अधिकार मिले हैं। वह कानून की किताबों में तो सुरक्षित हैं, वास्तविकता उसके ठीक विपरीत है। ट्रोल आर्मी द्वारा कई वरिष्ठ अधिकारियों का सोशल मीडिया पर घोर अपमान और निराधार आरोप लगाकर समय-समय पर ट्रोल किया गया है। ट्रोलर्स उन्हें भी राजनीतिक एजेंडे से जोड़ते हैं। उनके निजी जीवन में झाँकते हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के निर्णयों और कार्यवाही को पक्षपातपूर्ण ठहराते हैं। यह सिलसिला तब खतरनाक हो जाता है। जब सत्ता पक्ष के समर्थक संगठित रूप से अधिकारियों, पत्रकारों, राजनै तिक दलों के नेताओं और आमजनों को निशाना बनाते हैं। यह स्थिति मनोबल गिराने और भय फैलाने का काम करती है। स्वतंत्र प्रशासनिक निर्णयों में बाधा डालने के रुप में इसे देखा जाता है।

सबसे चिंताजनक बात यह है, इस तरह की ट्रोलिंग सुनियोजित रूप से कई वर्षों से की जा रही है। बॉट्स एप, फेक आईडी और संगठित रूप से आईटी सेल की भूमिका सामने आई है। जब सजग अधिकारी अपने कर्तव्य को पूरा करने के लिए निष्पक्ष रूप से कार्यवाही करता है या भ्रष्टाचार- पक्षपात के खिलाफ कड़े कदम उठाता है। तो उसका विरोध ट्रोलिंग के रूप में सामने आता है। कई मामलों में परिवार को भी निशाना बनाया जाता है। परिवार सहित लोग मानसिक तनाव का शिकार होते हैं, जिससे उनके कार्य पर विप रित प्रभाव पड़ता है। डर और भय के कारण वह अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन भी नहीं कर पाते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अधिक जिम्मेदार बनाना होगा। शासन और प्रशासन को बिना किसी भेदभाव के साइबर लॉ को सख्ती से लागू करना होगा। सरकार को ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारियों की सुरक्षा और प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए कदम उठाने होंगे। संविधान ने अधिकारियों की जिम्मेदारी कानून के रुप में तय की है। संविधान के प्रति उनकी भी जवाबदेही है यदि वही अपने अधिकारों की रक्षा नहीं कर पाएंगे, तो भगवान ही मालिक है। ट्रोलिंग के इस जहरीले जाल से प्रशासनिक, न्यायिक सेवा और आम नाग रिकों को बचाना है, तो समाज, सरकार और न्यायपालिका को मिलकर इसके लिये ठोस पहल करनी होगी। अधिकारियों को निर्भीक होकर काम करना होगा। अधिकारी यदि अपने ही सम्मान, कर्तव्य और अधिकारों पर ध्यान नहीं देंगे। ऐसी स्थिति में आम नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित रख पाना केवल हवा हवाई होगा। सोशल मीडिया की आज़ादी अभिव्यक्ति का माध्यम है।

गेल इंडिया लिमिटेड के तिमाही नतीजे किए जारी, 2,491.76 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ

मुंबई।

गेल इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को मार्च 2025 को खत्म हुई तिमाही के नतीजे जारी किए। इस तिमाही में कंपनी को 2,491.76 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ हुआ। यह बीते साल की इसी तिमाही में हुए 2,468.71 करोड़ के मुनाफे के करीब बराबर है। हालांकि, दिसंबर 2024 वाली पिछली तिमाही की तुलना में मुनाफा में भारी गिरावट आई है। तब कंपनी का मुनाफा 4,081.56 करोड़ था, यानी इस बार मुनाफा करीब 39 प्रतिशत कम हुआ है। कंपनी की कुल ऑपरेशनल आय यानी रेवेन्यू 36,551.15 करोड़ रही, जो एक साल पहले की 32,833.24 करोड़ से 11.3 प्रतिशत ज़्यादा है। लेकिन पिछली तिमाही के 36,937.05 करोड़ से थोड़ा कम है। गेल के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 1 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। कंपनी ने बताया कि यह 6.50 के इंटरिम डिविडेंड के अतिरिक्त है, जो पहले ही इस साल के दौरान दिया जा चुका है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय बाजार दो पैसे की बढ़त के साथ ही 85.28 पर बंद हुआ। इससे पहले मंगलावार को को भारतीय रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ ही 85.30 पर बंद हुआ। गत दिवस सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 74 पैसे मजबूत होकर 84.62 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय परिसंपत्तियों में विदेशी निवेशकों की निरंतर रुचि ने स्थानीय मुद्रा को मौलिक समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.70 प्रति डॉलर पर खुला और फिर डॉलर के मुकाबले 84.74 पर लुढ़क गया। हालांकि, यह फिर वापसी करता हुआ 84.62 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 74 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.36 पर बंद हुआ था।

जल्द लॉन्च होगी 5 नई इलेक्ट्रिक कारें

नई दिल्ली।

ग्राहकों के रुझान को देखते हुए भारतीय बाजार में जल्द ही पांच नई इलेक्ट्रिक कारें लांच होने वाली है। टाटा मोटर्स और मारुति सुजुकी जैसी दिग्गज कार निर्माता कंपनियां भारतीय मार्केट में अपनी नई इलेक्ट्रिक कारों को लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। आइए जानते हैं, ऐसी ही 5 अपकमिंग इलेक्ट्रिक कारों के बारे में। महिंद्रा अपनी पॉपुलर एसयूवी एक्सयूवी 700 का इलेक्ट्रिक वैरिएंट लॉन्च करने जा रही है, जिसे महिंद्रा एक्सईवी 7ई नाम दिया जाएगा। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी की बैटरी पैक की जानकारी अभी तक नहीं दी गई है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह कार सिंगल चार्ज पर 500 किमी से ज्यादा की रेंज ऑफर कर सकती है। एमजी भारतीय बाजार में एम9 एमपीवी को लॉन्च करने की योजना बना रही है। इसमें 90 केडब्ल्यूएच की बैटरी का उपयोग किया जाएगा, जो सिंगल चार्ज पर लगभग 430 किमी की रेंज प्रदान कर सकती है। इसे प्रीमियम एमजी आउटलेट्स से बेचा जाएगा। मारुति सुजुकी अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी ई विटारा को लॉन्च करने वाली है। यह कार दो बैटरी पैक ऑप्शन के साथ आएगी, जो सिंगल चार्ज पर 500 किमी से ज्यादा की रेंज देने की क्षमता रखती है। टाटा मोटर्स अपनी लोकप्रिय एसयूवी हैरियर का इलेक्ट्रिक वेरिएंट लॉन्च करने की तैयारी में है। टाटा हैरियर ईवी सिंगल चार्ज पर 500 किमी से ज्यादा की रेंज दे सकती है, जैसा कि टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्स0 का इलेक्ट्रिक वेरिएंट लॉन्च किया जाएगा, जिसे कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी की रेंज सिंगल चार्ज पर 400 से 450 किमी हो सकती है।

भारत 80 देशों को रक्षा उपकरणों का कर रहा निर्यात, दस साल में 34 फीसदी बढ़ोतरी

सरकार लगातार रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी हथियारों के उत्पादन पर दे रही जोर

नई दिल्ली।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जिसे वह कभी भूल नहीं पाएगा। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकी शिविरों को तबाह कर दिया बल्कि उसके हर नापाक इरादे को नाकाम कर दिया। मीडिया रिपोर्ट में खुफिया सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले क्षेत्र पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इस कार्रवाई में लश्कर-ए-तैयबा के 100 से भी ज्यादा आतंकी मारे गए। अब भारतीय रक्षा क्षेत्र से एक और अच्छी खबर आई है। भारत दुनिया के 80 देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है और पिछले 10 सालों में इस क्षेत्र में करीब 34 गुना वृद्धि दर्ज की है। आंकड़ों के मुताबिक 2013-14 में भारत का रक्षा निर्यात मात्र 686 करोड़ रुपए था जो अब बढ़कर 23,622 करोड़ पर पहुंच गया है। रक्षा क्षेत्र में यह शानदार वृद्धि वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते दबदबे को दर्शाती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में निजी क्षेत्र ने 15,233 करोड़ रुपए का रक्षा निर्यात किया जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों ने रिकॉर्ड 8,389 करोड़ रुपए के हथियारों का निर्यात किया है। डिफेंस पीएसयू के निर्यात में ही करीब 42.85 फीसदी की वृद्धि हुई, जो दुनिया भर में भारतीय हथियारों की बढ़ती मांग को इंगित करती है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सरकार लगातार रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी हथियारों के उत्पादन पर जोर दे रही है। भारत का लक्ष्य 2029 तक अपने रक्षा निर्यात को 50 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचाना है। भारत जिन प्रमुख हथियारों का निर्यात करता है उनमें आकाश मिसाइल, ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और पिनाका रॉकेट शामिल हैं। इसके अलावा के9 वज्र तोप, बीओटी प्लेटफॉर्म, डोर्नियर 228 लड़ाकू विमान और हल्का लड़ाकू विमान तेजस भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं पहलगाम हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के साथ रक्षा निर्यात में भारत की यह तेजी से बढ़ती ताकत देश को न केवल सुरक्षित बना रही है बल्कि वैश्विक स्तर पर एक अहम सैन्य और आर्थिक शक्ति के रूप में भी स्थापित कर रही है।

भारत में थोक महंगाई दर अप्रैल में 13 महीनों के निचले स्तर पर

नई दिल्ली।

भारत में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई या थोक महंगाई दर अप्रैल में कम होकर 13 महीनों के निचले स्तर 0.85 प्रतिशत पर आ चुकी है, जो कि मार्च में 2.05 प्रतिशत पर थी। इसकी जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा बुधवार को दी गई। थोक महंगाई दर में कमी की वजह खाद्य उत्पादों की कीमतों में कमी आना है। अप्रैल में खाद्य उत्पादों पर थोक महंगाई दर कम होकर 2.55 प्रतिशत रही है, जो कि मार्च में 4.66 प्रतिशत पर थी। मोदी सरकार ने बताया कि अप्रैल में थोक महंगाई दर सकारात्मक रहने की वजह खाद्य उत्पादों, केमिकल और केमिकल उत्पादों, ट्रांसपोर्ट उपकरणों और अन्य मशीनों की मैन्युफैक्चरिंग की कीमत में बढ़ोतरी होना है। मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों में महंगाई दर बढ़कर 2.62 प्रतिशत हो गई है। फ्यूल एंड पावर और प्राथमिक उत्पादों में महंगाई दर गिरकर 2.18 प्रतिशत और 1.44 प्रतिशत रह गई है। थोक महंगाई दर में कमी तब देखने को मिली है, जब खुदरा महंगाई दर कई सालों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। केंद्र सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में खुदरा महंगाई दर घटकर 3.16 प्रतिशत हो गई है, जो कि मार्च में 3.34 प्रतिशत थी। यह खुदरा महंगाई दर का जुलाई 2019 के बाद सबसे निचला स्तर है। यह लगातार तीसरा महीना था, जब खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के महंगाई के टारगेट 4 प्रतिशत के नीचे रही है। महंगाई में कमी आने से आरबीआई के पास आने वाले समय में रेपो रेट में कमी करने के लिए पर्याप्त जगह होगी।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर से मिले जुले संकेतों के बीच ही दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 182 अंक बढ़कर 81,330.56 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 89 अंक करीब 0.36 फीसदी ऊपर आकर 24,666.90 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स पर टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एमएंडएम के शेयर ऊपर आये जबकि एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड कॉर्प, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी के शेयर गिरे। निफ्टी पर टाटा स्टील, श्रीराम फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, सिप्ला, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी के शेयर नुकसान में रहे। इसके अलावा बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1-1 फीसदी का उछाल आया।

आज एफएमसीजी और बैंक शेयरों को छोड़कर, अन्य सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त पर रहे, जिसमें रियल्टी, ऑयल एंड गैस, आईटी और मेटल इंडेक्स में 1-2 फीसदी की तेजी रही। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह आईटी और स्टील स्टॉक्स में बढ़त रही जिससे भी बाजार उछला। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल के शेयर में तेजी से भी बाजार में उत्साह आया। आज सेंसेक्स बढ़त के साथ ही 81,278.49 अंक पर खुला। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी मजबूती के साथ 24,613.80 अंक पर खुला।

वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। आज सुबह धातु शेयरों में तेजी रही।

अमेरिका के सुरक्षा शुल्क लगाए जाने से भारत और अमेरिका के बीच 7.6 अरब डॉलर का निर्यात प्रभावित होगा, जिस पर अमेरिका का शुल्क संग्रह 1.91 अरब

डॉलर होगा। इसी के अनुसार भारत की रियायतों के निलंबन के बाद अमेरिका के उत्पादों पर भी समान शुल्क वसूला जाएगा। इसके कारण भी धातु शेयरों में बढ़त रही। वहीं एशियाई बाजारों में बुधवार को मिश्रित कारोबार हुआ। जापान का निक्केई 225 0.57 फीसदी गिरा जबकि टॉपिक्स में 1.05 फीसदी की गिरावट रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.67 फीसदी ऊपर रहा और कोसडैक 0.02 फीसदी की बढ़त के साथ स्थिर रहा। ऑस्ट्रेलिया का बेंचमार्क एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.1 फीसदी की गिरावट के साथ नकारात्मक पूर्वाग्रह के साथ स्थिर रहा। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 1.16 फीसदी बढ़ा जबकि चीन का सीएसआई 300 0.21 फीसदी नीचे रहा। वहीं दूसरी और अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट इंडेक्स मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। एसएंडपी 500 0.72 फीसदी बढ़कर 5,886.55 पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट 1.61 फीसदी ऊपर आकर 19,010.08 पर बंद हुआ। जबकि डॉव जोन्स 0.64 फीसदी गिरकर 42,140.43 पर बंद हुआ। इसके अलावा अमेरिकी शेयर फ्यूचर्स में भी गिरावट रही।

डिजिटल कॉमर्स छोटे-मझोले कारोबारियों के लिए गेम-चेंजर साबित हो रहे

ओएनडीसी प्लेटफॉर्म पर एक लाख से ज्यादा एमएसएमई कारोबार जुड़ जाएंगे

नई दिल्ली।

सरकारी डिजिटल व्यापार मंच ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स अब छोटे और मझोले कारोबारियों के लिए गेम-चेंजर साबित हो रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस मंच से जुड़ने वाले एमएसएमई की आय में औसतन 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़त विशेष रूप से छोटे और मझोले शहरों में देखने को मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक ओएनडीसी से सबसे ज्यादा एमएसएमई राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों से जुड़े हैं। इन राज्यों में डिजिटल व्यापार को अपनाने की रफ्तार तेज हुई है। पिछले एक साल में इस मंच से जुड़े एमएसएमई की संख्या में जबरदस्त इजाफा हुआ है। कंपनी का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-27 तक ओएनडीसी प्लेटफॉर्म पर एक लाख से ज्यादा एमएसएमई कारोबार जुड़ जाएंगे। ईजी-पे के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि ओएनडीसी के साथ हमारा गठजोड़ यह दर्शाता है कि अब छोटे शहरों से भी कारोबार करना आसान और सुलभ होता जा रहा है। यह मंच व्यापार को डेमोक्रेटिक और डीसेंट्रलाइज्ड बनाता है, जिससे छोटे व्यापारी भी बड़े ब्रांड्स से मुकाबला कर सकते हैं। ईजी-पे उन शुरुआती फिनटेक कंपनियों में से है, जो ओएनडीसी पर रिटेल और फाइनेंशियल सर्विसेज को जोड़कर एमएसएमई को डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन बिक्री जैसे सुविधाएं प्रदान कर रही है। इससे छोटे व्यापारियों की

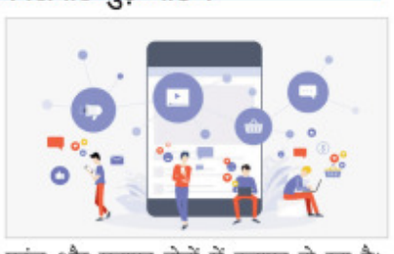

पहुंच और मुनाफा दोनों में इजाफा हो रहा है। ओएनडीसी का यह मॉडल देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों में व्यापार को डिजिटल रूप से सशक्त बना रहा है। यह मंच न केवल तकनीकी सहायता देता है, बल्कि एमएसएमई को बड़े बाजारों से जोड़कर उन्हें डिजिटल इकॉनमी में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर करता है।

भारतीय बाजार में किआ ने कैरेंस क्लैविस लॉन्च किया

नई दिल्ली।

किआ इंडिया ने अपनी पॉपुलर एमपीवी कैरेंस का अपडेटेड वर्जन कैरेंस क्लैविस भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। इसे एक प्रीमियम एमपीव्ही के रूप में पेश किया गया है, जो पहले से मौजूद कैरेंस मॉडल के साथ बेचा जाएगा। कैरेंस क्लैविस को लेकर कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिनमें एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस), नया डिजाइन और स्मार्ट फीचर्स शामिल हैं। किआ कैरेंस क्लैविस में लेवल-2 एडीएस सुइट दिया गया है, जो ड्राइविंग के दौरान सुरक्षा और आराम को बढ़ाता है। इस एमपीवी में 360-डिग्री कैमरा और 360-डिग्री सराउंड कैमरा भी जोड़ा गया है, जिससे पार्किंग और मैन्युवरिंग में आसानी होती है। हाई ट्रिम्स में डुअल-चैनल डैशकैम सिस्टम भी दिया गया है, जो वाहन के आगे और पीछे की निगरानी करता है, खासकर अचानक होने वाली घटनाओं के दौरान। डिजाइन में भी कई बदलाव किए गए हैं। इसमें ईवी5-प्रेरित फ्रंट एलईडी डीआरएल सिग्नेचर और ट्रिपल आइस-क्यूब एलईडी हेडलाइट्स दी गई हैं। रियर में नया कनेक्टेड एलईडी टेल लाइट सिग्नेचर है, जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाता है। स्मार्ट की फीचर में रिमोट इंजन स्टार्ट और विंडो कंट्रोल की सुविधा दी गई है। किआ कैरेंस क्लैविस में 17-इंच के डुअल कलर अलॉय व्हील्स और पैनोरमिक सनरूफ भी दिया गया है।

पर्सनल लोन के डिफॉल्ट होने के खतरे से चिंतित आरबीआई, नियमों को सख्त करने में जुटा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बिना गिरवी रखे मिलने वाले व्यक्तिगत कर्ज, जैसे पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड के नियमों को और सख्त करने में जुटी हुई है। बिना गिरवी वाले कर्ज में डिफॉल्ट का खतरा बढ़ रहा है। इस बात से आरबीआई चिंतित है। नवंबर 2023 में आईबीआई ने इन कर्जों पर रिस्क वेट 100 से बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया था, लेकिन अब और कड़े कदम जरूरी हैं। आरबीआई ने बैंकों को अपनी कर्ज देने की नीतियों को सख्त करने के निर्देश दिए हैं। कर्ज लेने वालों की क्रेडिट स्कोर के आधार पर ऋण की अधिकतम सीमा तय करना होगा। अगर कोई व्यक्ति पहले से होम लोन या ऑटो लोन ले चुका है, तब बैंकों को पर्सनल लोन देते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

बैंकों से बातचीत के आधार पर सामने आया कि आईबीआई को रिटेल लोन के तेजी से बढ़ने और इसमें छिपे जोखिमों को लेकर चिंता है। मार्च 2024 में पर्सनल लोन में वार्षिक वृद्धि 14 प्रतिशत रही (पिछले साल सामान अवधि में 17.6 प्रतिशत थी)। निजी बैंक अभी भी तेजी से ये कर्ज दे रहे हैं, जबकि सरकारी बैंकों का फोकस

कम है। दिसंबर 2023 की वित्तीय स्टेबिलिटी रिपोर्ट के मुताबिक, प्राइवेट बैंकों में कर्ज माफ करने (राइट-ऑफ) की संख्या तेजी से बढ़ी है, जो जोखिम का संकेत है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया जल्द ही (अगले 15 दिनों में) इन नए दिशा-निर्देशों का ड्राफ्ट जारी कर सकता है। बैंकों से अपेक्षा है कि वे इन कर्जों को लेकर अधिक सतर्कता बरतेंगे और केवल योग्य उधारकर्ताओं को ही ऋण दे।

माइक्रोसॉफ्ट 3 फीसदी कर्मचारियों की करेगी छंटनी, कई विभागों पर पड़ेगा असर

प्रवक्ता ने कहा- हम लगातार बदलाव कर रहे हैं, जो कंपनी को बनाएंगे बेहतर

नई दिल्ली।

दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने दुनिया भर में अपने 3 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करने का फैसला किया है। कंपनी के पास जून 2024 तक करीब 2,28,000 कर्मचारी थे यानी अब 6,800 कर्मचारियों को कंपनी बाहर का रास्ता दिखाएगी। माइक्रोसॉफ्ट ने 2023 में भी 10,000 कर्मचारियों को निकाला था। छंटनी का असर कई विभागों, स्तरों और क्षेत्रों पर पड़ेगा। कंपनी का कहना है कि यह छंटनी कंपनी के संगठनात्मक ढांचे को सरल बनाने की रणनीति का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट के प्रवक्ता ने कहा कि हम लगातार उन बदलावों को लागू कर रहे हैं, जो कंपनी को बेहतर बनाने के लिए जरुरी है। जनवरी 2023 में कंपनी की छंटनी में होलोलैंस और अन्य हार्डवेयर डिवीजन की टीमें प्रभावित हुई थीं। यह छंटनी ऐसे समय की जा रही है जब माइक्रोसॉफ्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा निवेश कर रही है। कंपनी ने इस वित्तीय वर्ष में एजुरे और एआई सेवाओं को मजबूत करने के लिए 80 अरब डॉलर खर्च करने का लक्ष्य रखा है। छंटनी की खबर बाजार में फैलते ही माइक्रोसॉफ्ट के शेयर

449.26 डॉनर पर पहुंच गए। यह इस साल का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। जुलाई 2023 में कंपनी का शेयर रिकॉर्ड 467.56 डॉलर रहा था। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि इस बार की छंटनी प्रदर्शन आधारित नहीं है यानी जिन लोगों की नौकरी जा रही है, उन्हें उनके काम की वजह से नहीं निकाला जा रहा। कंपनी का मकसद प्रबंधन स्तर को कम करना और काम को और ज्यादा आसान बनाना है। खास बात यह है कि माइक्रोसॉफ्ट ने अप्रैल 2024 में अपने तिमाही नतीजों में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया था, फिर भी यह छंटनी दिखाती है कि माइक्रोसॉफ्ट अपने संसाधनों का इस्तेमाल और भी प्रभावी तरीके से करना चाहती है। टेक सेक्टर में छंटनियों का सिलसिला जारी है। मेटा ने भी इस साल प्रदर्शन आधारित निकासी के जरिए 5 फीसदी कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया था, जबकि सेल्सफोर्स ने एक हजार से ज्यादा पदों को खत्म कर दिया है। दोनों कंपनियां भी एआई की ओर बढ़ रही हैं।

गूगल के सीईओ पिचाई ने निभाई कस्टमर की भूमिका, एलन मस्क ने दिया जवाब

कहा- दुनिया के सबसे समझदार और प्रभावशाली लोग एक्स पर ही बात करते हैं

नई दिल्ली।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई को टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क ने जवाब दिया, जिसको लेकर यूजर्स के कमेंट आ रहे हैं। दरअसल, क्रोरा के सीईओ एडम डी एंजेलो ने गूगल मीट के ऑडियो क्वालिटी पर शिकायत की। उन्होंने ट्वीट किया कि हमने क्रोरा में जूम की जगह गूगल मीट इस्तेमाल किया लेकिन ऑडियो में दिक्कत आई। इसलिए हम जूम पर वापस लौट रहे हैं। इस पर सुंदर पिचाई ने तुरंत जवाब दिया एडम, हम इसकी जाँच करेंगे और ठीक करेंगे। मेरे अनुभव में तो यह ठीक काम करता है, लेकिन हम समस्या का पता लगाएंगे। एडम ने कहा धन्यवाद! अगर ठीक हो गया तो हम गूगल मीट पर वापस आ जाएंगे। इस पोस्ट पर कुछ ही मिनटों में 4000 से ज्यादा व्यूज आ गए। इस बातचीत को क्रोरा के सह-संस्थापक ने शेयर किया और लिखा- जब गूगल का सीईओ एक्स पर कस्टमर सपोर्ट करने लगे, तो समझो गूगल एजीआई (आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस) की रेस जीतने वाला है। इस पर एलन मस्क ने जवाब दिया दुनिया के सबसे समझदार और प्रभावशाली लोग एक्स पर ही बात करते हैं। एक यूजर ने लिखा- सीईओ का सीधे रिप्लाई करना कमाल का है! दूसरा ने कहा कि एक्स पर इन लीडर्स की बातचीत से हमें उनकी कंपनियों की चुनौतियों का पता चलता है। तीसरे ने कहा पहले सोशल मीडिया सिर्फ शहरों तक सीमित था, अब यह ग्लोबल प्लेटफॉर्म बन गया है। आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई) एक ऐसी एआई तकनीक है जो मनुष्यों की तरह सोचने, समझने, सीखने और किसी भी कार्य को स्वतंत्र रूप से करने की क्षमता रखती है। यह मौजूदा एआई सिस्टम्स बिल्कुल अलग है, जो सिर्फ स्पेशलाइज्ड टास्क के लिए ट्रेंड होते हैं। यह किसी एक काम तक सीमित नहीं हैं, बल्कि नए काम सीखने, समस्याएं सुलझाने और तर्क करने में मनुष्यों जैसे लचीली हैं। अगर एजीआई को पेंटिंग सिखाई जाए, तो वह उसी समझ का इस्तेमाल संगीत बनाने या गणित की समस्या हल करने में भी कर सकेगा। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि एजीआई 2040-2050 तक आ सकता है, जबकि कुछ इसे सैद्धांतिक ही मानते हैं। एजीआई मेडिकल रिसर्च, जलवायु परिवर्तन या गरीबी जैसी वैश्विक समस्याओं को हल करने में भी मदद कर सकता है, लेकिन इसके साथ बड़े जोखिम भी हैं। कुलमिलाकर एजीआई एक ह्यूमन-लेवल एआई है, जो अभी तक सिर्फ विज्ञान कथाओं और रिसर्च पेपर्स में मौजूद है। यह एआई का अगला और सबसे बड़ा कदम माना जाता है।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट का असर

अप्रैल में थोक महंगाई 13 महीने के निचले स्तर 0.85 प्रतिशत पर, रोजमर्रा की वस्तुएं हुईं सस्ती

नई दिल्ली।

अप्रैल महीने में थोक महंगाई 2.05 प्रतिशत से घटकर 0.85 प्रतिशत पर आ गई है। ये महंगाई का 13 महीनों का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च 2024 में महंगाई 0.53 प्रतिशत पर थी। वहीं फरवरी 2025 की महंगाई दर को सरकार ने संशोधित किया है। इसे 2.38 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.45 प्रतिशत कर दिया गया है। रोजाना की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों की कीमतों के घटने से महंगाई घटी है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने आज यानी 14 मई को ये आंकड़े जारी किए। रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई 0.76 प्रतिशत से घटकर -1.44 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों की महंगाई 4.66 प्रतिशत से घटकर 2.55 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 0.20 प्रतिशत से घटकर -2.18 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 3.07 प्रतिशत से घटकर 2.62 प्रतिशत रही।

होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए होलसेल प्राइस इंडेक्स को कंट्रोल कर सकती है।

जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। होलसेल प्राइस इंडेक्स में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

गवई बने भारत के पहले बौद्ध और दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली।

न्यायमूर्ति बी आर गवई ने बुधवार को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। वह देश के पहले बौद्ध और दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश बन गए हैं। इससे पहले न्यायमूर्ति के जी बालकृष्णन दलित समुदाय से पहले सीजेआई बने थे। न्यायमूर्ति गवई को राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शपथ दिलाई। गवई ने हिंदी में शपथ ली। उन्होंने सीजेआई संजीव खन्ना की जगह ली है जो मंगलवार को सेवानिवृत्त हो गए हैं। न्यायमूर्ति बी आर गवई को 24 मई, 2019 को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। उनका कार्यकाल छह महीने से अधिक समय का होगा और वह 23 नवंबर तक पद पर रहेंगे। शपथ ग्रहण से एक दिन पहले बार एंड बेंच को दिए साक्षात्कार में गवई ने कहा था कि मैं हमेशा सामाजिक और आर्थिक न्याय का पक्षधर रहा हूं। उन्होंने बताया कि न्यायपालिका में लंबित मामलों की संख्या को कम करना और निचली अदालतों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना उनकी प्राथमिकताओं में है।न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि मैं सुप्रीम कोर्ट से लेकर निचली अदालतों तक लंबित मामलों की समस्या को प्राथमिकता से हल करना चाहता हूं। उच्च न्यायालयों का बुनियादी ढांचा बेहतर है, लेकिन निचली अदालतों में अब भी समस्याएं हैं। उन्होंने माना कि उनका कार्यकाल केवल छह महीनों का है, इसलिए वे कोई बड़े वादे नहीं करना चाहते, लेकिन जो भी कर सकें, व्यावहारिक रूप से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में मामलों की सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया लंबित मामलों को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां अभी दो दिन गैर-महत्वपूर्ण मामलों और एक दिन नियमित मामलों के लिए होता है, जिससे नियमित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि वह अपने सहयोगी न्यायाधीशों के साथ इस पर चर्चा करेंगे और व्यावहारिक समाधान खोजने की कोशिश करेंगे।

हाल ही में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के घर कैश बरामद होने के मामले पर टिप्पणी करते हुए गवई ने कहा कि 900 न्यायाधीशों में से ऐसे मामलों की संख्या बहुत कम है, लेकिन इतनी भी बर्दाश्त नहीं की जा सकती है। जनता हमारे ऊपर भरोसा करती है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इन-हाउस जांच समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की प्रक्रिया को तय नियमों के तहत ही देखेंगे।

केंद्र सरकार द्वारा कॉलेजियम की सिफारिशों पर निर्णय में हो रही देरी को लेकर न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि वे सरकार के साथ संवाद स्थापित कर लंबित नियुक्तियों को जल्द से जल्द निपटाना चाहेंगे।

उन्होंने कहा कि नियुक्तियों में पारदर्शिता जरूरी है, लेकिन इसके साथ योग्यता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अगर कोई न्यायाधीश के परिवार से है, लेकिन योग्य है, तो केवल संबंध के कारण उसे नकारा नहीं जा सकता। न्यायमूर्ति गवई ने माना कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट में दलित प्रतिनिधित्व तय करने के लिए पदोन्नत किया गया था। उन्होंने कहा कि विविधता से यह फायदा होता है कि विभिन्न पृष्ठभूमियों से आने वाले न्यायाधीश समाज की जमीनी हकीकतों को बेहतर समझते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम हाईकोर्ट कॉलेजियमों से अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यकों, खासकर महिलाओं को प्राथमिकता देने की अपील कर रहा है।

गवई ने कहा कि कोई भी न्यायाधीश आलोचनाओं से प्रभावित होकर निर्णय नहीं लेता है। एक न्यायाधीश को केवल अपने विवेक और कानून के आधार पर फैसला करना चाहिए, न कि आलोचनाओं के डर से।

उन्होंने कहा कि मैं सोशल मीडिया नहीं देखता। मैं न इंस्टाग्राम पर हूं, न एक्स पर।

अगर आपका विवेक कहता है कि आप सही हैं, तो किसी की आलोचना से डरने की जरूरत नहीं है।

पूर्व सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ द्वारा सुप्रीम कोर्ट में शुरू की गई तकनीकी पहल को जारी रखने की बात करते हुए गवई ने कहा कि हम इसे आगे बढ़ाते रहेंगे। हमारे पास एक अनुभवी तकनीकी अधिकारी है जो एनआईसी से हैं और नई सुविधाओं पर काम कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति गवई ने साफ कहा कि वह सेवानिवृत्ति के बाद किसी भी सरकारी पद को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं सीजेआई पद छोड़ने के बाद कोई सरकारी पद नहीं स्वीकार करूंगा।

एस्कॉर्ट सर्विस और बॉडी मसाज के नाम पर लोगों से ठगी, जयपुर पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार किया

एडवांस लेकर ग्राहक का नंबर ब्लॉक कर देते थे

जयपुर।

सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म ठगी का जरिया बने हैं। जयपुर में एस्कॉर्ट सर्विस और बॉडी मसाज के भी सोशल मीडिया का बेजा इस्तेमाल हो रहा है। जयपुर पुलिस को एक गिरोह की शिकायत मिलने पर कार्रवाई की गई। जयपुर पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार किया है। ये चारों बदमाश एस्कॉर्ट सर्विस और बॉडी मसाज के लिए सोशल मीडिया पर पोस्टर लगाते थे। उसमें मोबाइल नंबर भी लिखते थे। जब कोई व्यक्ति एस्कॉर्ट सर्विस लेने या बॉडी मसाज के लिए तैयार होता तब कुछ अमाउंट एडवांस में जमा करने की बात कहते थे। एडवांस के नाम पर इन आरोपियों ने हजारों लोगों को ठग लिया। पुलिस ने बताया कि ठगी करने वाले चारों आरोपी बड़े शातिर हैं। उन्हें लगा कि नियमित रूप से एक ही सिम से ठगी करने पर वे पकड़े जा सकते हैं। इसकारण वे हर तीन चार दिन बाद सिम को बदल लेते थे। एक बार किसी के साथ जिस मोबाइल नंबर से बात करके ऑनलाइन पेमेंट मंगाते। उस सिम सिर्फ दो या तीन दिन में तोड़कर फेंक देते थे। ताकि रुपए ट्रांसफर करने वाला फिर से परेशान नहीं करे और अगर पुलिस में शिकायत करने पर पकड़ में नहीं आ सके। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एक आरोपी कमलेश चौधरी टेलीकॉम कंपनी में प्रमोटर का काम करता है। वहां फैक्ट्री एरिया में काम करने वाले मजदूरों को अतिरिक्त रिचार्ज का लालच देकर नई सिम दिलवाता था। वह उनके नाम से दो सिम खरीदता, जिसमें से एक सिम अपने पास रख लेता था और दूसरी सिम मजदूरों को देता था। पिछले दो तीन महीनों में कमलेश ने 149 फर्जी सिम खरीदी थी। एस्कॉर्ट सर्विस और बॉडी मसाज के लिए अगर कोई ग्राहक इन आरोपियों से संपर्क में आता, तब ग्राहक से 2000-5000 रुपए एडवांस में मंगाए जाते थे। जैसे ही एडवांस पेमेंट होता। तभी ग्राहक के मोबाइल नंबर को ब्लॉक कर दिया जाता था। दो तीन दिन में एक सिम से वारदातें करने के बाद उस सिम को तोड़कर फेंक दिया जाता था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सिम कार्ड जारी करने की मशीन, 8 मोबाइल, 24 सिम कार्ड, 8 एटीएम, कुछ पासबुक और 19,500 रुपए जब्त किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कालवाड़ रोड निवासी विनोद चौधरी, करधनी निवासी कमलेश चौधरी, गोविंदपुरा निवासी राजू जाखड़ और मदन शामिल हैं।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान के बाद भाजपा लगी डैमेज कंट्रोल करने, बीजेपी नेता पहुंचे सोफिया के घर बताया 'देश की बेटी'

छतरपुर। मध्य प्रदेश की मोहन सरकार के मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए विवादित बयान के बाद सियासी घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस के तीखे विरोध और इस्तीफे की मांग के बीच अब भारतीय जनता पार्टी डैमेज कंट्रोल मोड में आ गई है। बीजेपी नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का संदेश लेकर कर्नल सोफिया के छतरपुर स्थित निवास पर पहुंचा और उन्हें देश की बेटी बताते हुए सम्मान प्रकट किया है। पूर्व विधायक मानवेंद्र सिंह के नेतृत्व में पहुंचे नेताओं ने कर्नल सोफिया कुरैशी और उनके परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी उनके सम्मान में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। यह पहल मंत्री विजय शाह के बयान के बाद बढ़ते राजनीतिक दबाव को कम करने की कोशिश के तौर पर देखी जा रही है। इससे पहले मंत्री विजय शाह ने अपने बयान पर माफी मांग ली और सफाई दी कि प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा तथा संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा। लेकिन बीजेपी आलाकमान शाह के बयान से नाखुश बताया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने सेना का अपमान बताया। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर आक्रामक है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसे बेहद गैर-जिम्मेदाराना और सेना का अपमान बताया। उन्होंने कहा, जब पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है, तब बीजेपी का मंत्री ऐसी नफरत फैलाने वाली बात कहता है। प्रधानमंत्री सेना को सलाम करते हैं और उनके मंत्री उल्टे बयान दे रहे हैं। इस बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने मांग की है कि विजय शाह को तत्काल मंत्री पद से हटाया जाए और बीजेपी यह स्पष्ट करे कि यह बयान उनकी निजी सोच थी या पार्टी की लाइन। साथ ही मुख्यमंत्री मोहन यादव से भी इस संबंध में कार्रवाई की अपील की है। यहां बताते चलें कि कर्नल सोफिया कुरैशी देश की पहली महिला अधिकारी हैं, जिन्होंने एक अंतरराष्ट्रीय सैन्य दल का नेतृत्व किया है। उनके सम्मान को लेकर उठे इस विवाद ने ना सिर्फ राजनीतिक माहौल गर्म किया है, बल्कि सेना से जुड़े विषयों को लेकर सार्वजनिक संवेदनशीलता को भी उजागर किया है।

गुजरात के दौरे पर आएंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भुज एयरबेस पर जवानों से करेंगे मुलाकात

अहमदाबाद।

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुजरात दौरे पर आने वाले हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 16 और 17 मई को भुज एयरबेस का दौरा करेंगे और जवानों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान पश्चिमी वायु कमान के प्रमुख भी मौजूद रहेंगे। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के ड्रोन, मिसाइलों और आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमले करके मुंहतोड़ जवाब दिया था। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम के बाद देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुजरात के दौरे पर आ रहे हैं। रक्षा मंत्री 16 और 14 मई को भुज एयरबेस का दौरा करेंगे। यहां वे जवानों से बातचीत करेंगे। इस दौरान पश्चिमी वायु कमान के प्रमुख भी मौजूद रहेंगे। खबर है कि रक्षा मंत्री के इस दौरे को लेकर वायुसेना प्राधिकरण की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। रक्षा मंत्री के अपने दौरे के दौरान वायु सेना, बीएसएफ और सेना के अधिकारियों से मिलने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष पर्यटकों पर गोलियां चलाकर 26 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद पूरे देश में पाकिस्तान के खिलाफ भारी आक्रोश फैल गया। भारतीय वायुसेना ने 6-7 मई की दरम्यानी रात को पाकिस्तान में 9 आतंकवादी ठिकानों पर हवाई

हमले किए और उन्हें नष्ट कर दिया। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो गई। भारत ने पाकिस्तान के हर हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया और पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। 10 मई को दोनों देशों द्वारा युद्ध विराम की घोषणा की गई थी।

ड्रैगन फैला रहा था प्रोपेगेंडा, भारत ने कर दी 'डिजिटल स्ट्राइक'

केंद्र सरकार ने चीन के सरकारी समाचार हैंडल अकाउंट को किया बैन

नई दिल्ली।

भारत ने पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक के बाद अब चीन पर डिजिटल स्ट्राइक की है। केंद्र सरकार ने बुधवार को चीन के सरकारी समाचार हैंडल अकाउंट को बैन कर दिया है।

यह कदम चीन द्वारा लगातार फैलाए जा रहे प्रोपेगेंडा के चलते लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि यह कदम इसलिए उठाया गया जब इस अकाउंट ने भारत और पाकिस्तान में तनाव के बीच भारतीय सेना को लेकर झूठे और अपुष्ट दावे किए थे। चीन के मुखपत्र द्वारा लगातार फैलाए जा रहे प्रोपेगेंडा को लेकर भारतीय दूतावास ने सख्त चेतावनी दी थी। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने कहा था कि कृपया किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी पोस्ट करने से पहले तथ्यों को जांचें और अपने स्रोतों की पुष्टि करें।

यह पूरा मामला ऑपरेशन सिंदूर के बाद का है।

कुछ पाकिस्तानी मीडिया और सोशल मीडिया अकाउंट्स ने दावा किया था कि पाकिस्तान ने भारतीय वायुसेना का एक राफेल विमान मार गिराया है। चीनी समाचार पत्र में इन फर्जी दावों को फैलाने और प्रमुखता से छापने का आरोप है।

फेक्ट चेट टीम ने इन दावों को लेकर वायरल हो रही तस्वीर को भ्रामक और पुरानी बताया था। टीम ने स्पष्ट किया था कि यह तस्वीर दरअसल 2021 में पंजाब के मोगा जिले में हुई एक एमआईजी-21 दुर्घटना की है और इसका वर्तमान ऑपरेशन सिंदूर से कोई लेना-देना नहीं है।

बुधवार को विदेश मंत्रालय ने चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के नाम बदलने की कोशिश पर भी कड़ा एतराज जताया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि चीन की यह रचनात्मक नामकरण की कोशिशें व्यर्थ हैं।

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा।

एस-400 सिस्टम का कमाल देखकर भारत ने रूस से मंगाई नई खेप

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 ने भारत की वायु रक्षा में बेहद खास भूमिका निभाई। पाकिस्तान की ओर से दागी गई मिसाइलों व ड्रोनों को रोकने और विफल करने में इसकी सटीकता काम आई। एस-400 के चलते पाकिस्तानी जेट विमानों और मिसाइलों को मिशन रद्द करने या मार्ग बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा। ऐसी स्थिति में उसके हमले की योजनाओं को गंभीर झटका लगा। पश्चिमी सीमा से आने वाले हवाई खतरों को त्वरित और प्रभावी ढंग से नष्ट किया, जिससे भारत की रक्षा क्षमता मजबूत हुई। इस शानदार प्रदर्शन ने ही भारत को अतिरिक्त यूनिट्स के लिए रूस से अपील को प्रेरित किया। एस-400 की तैनाती ने न केवल भारत के रक्षा ढांचे को मजबूती दी, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता में भी योगदान दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों से यह संकेत मिला कि रूस निकट भविष्य में इस अपील को मंजूरी दे सकता है। रूस में बना एस-400 सिस्टम भारतीय सेना में पहले से ही तैनात है। हाल के संघर्ष के दौरान पाकिस्तान की ओर से दागी गई मिसाइलों और ड्रोनों को रोकने में इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रूस का एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम विश्व की सबसे उन्नत प्रणालियों में से एक है, जिसे विभिन्न हवाई खतरों जैसे विमान, ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह सिस्टम 600 किमी तक टारगेट को ट्रैक और 400 किमी

की रेंज में उन्हें नष्ट कर सकता है। इसका अपडेटेड फेज्ड-ऐरे रडार एक साथ 100 से अधिक लक्ष्यों को ट्रैक करता है। एस-400 चार प्रकार की मिसाइलें दाग सकता है, जो विभिन्न दूरी और ऊंचाई पर खतरों का मुकाबला करती हैं। भारत ने 2018 में रूस के साथ 5.43 बिलियन डॉलर में 5 एस-400 यूनिट्स का सौदा किया, जिनमें से पहली 2021 में पंजाब में तैनात की गई।

तुर्की के ड्रोन ही नहीं....तुर्की के सैन्यकर्मी ड्रोन हमलों में शामिल

बेशर्म तैय्यप एर्दोगन का असली चेहरा आया भारत के सामने

नई दिल्ली।

भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चली लड़ाई में पाकिस्तान ने भारी मात्रा में तुर्की के दिए ड्रोन का इस्तेमाल किया। अब इसबारे में नई जानकारी सामने आई है जिसके मुताबिक, दोनों देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार अलग-अलग हमलों में कुल 350 से अधिक टर्किश ड्रोन का इस्तेमाल हुआ। इतना ही नहीं पाकिस्तान में मौजूद तुर्की के सैन्यकर्मी भारत के खिलाफ ड्रोन हमलों में शामिल थे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत पर ड्रोन हमले करने में तुर्की के सलाहकारों ने पाकिस्तानी सेना की मदद की थी। सूत्र ने बताया कि भारत की जवाबी कार्रवाई में तुर्की के दो ड्रोन ऑपरेटर भी मारे गए हैं।

पाकिस्तान ने कथित तौर पर भारत के खिलाफ टीबी2 ड्रोन और वॉयईएचएस ड्रोन का इस्तेमाल किया। बताया जाता हैं कि इन ड्रोनों का इस्तेमाल लक्ष्य निर्धारण और खुद को नष्ट कर दुश्मन को नुकसान पहुंचाने के लिए जाता है। लड़ाई चार दिनों तक चली जिसमें तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया।

भारत सरकार ने कहा कि गुरुवार रात पाकिस्तान ने जिन ड्रोन से भारत के उत्तरी और पश्चिमी मोर्चों पर हमला करने की कोशिश की, उनके मलबे की शुरुआती जांच से पता चलता है ड्रोन तुर्किए मूल के सोंगर सशस्त्र ड्रोन सिस्टम के हैं।

भारत-पाकिस्तान के बीच सीधी लड़ाई शुरू होने से पहले तुर्किए नौसेना का एक युद्धपोत कराची बंदरगाह पर पहुंचा था।

युद्धपोत के कराची पहुंचने से पहले तुर्किए के सी-130 एयरक्राफ्ट ने कराची में लैंड किया था।

पाकिस्तान की मीडिया में दावा किया गया कि एयरक्राफ्ट में लड़ाकू हथियार हैं।

लेकिन तुर्किए के रक्षा मंत्रालय ने उन दावों को खारिज करते हुए कहा कि एयरक्राफ्ट ईंधन भरने के

लिए कराची में उतरा था न कि उससे पाकिस्तान को हथियारों की सप्लाई की गई।

तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन भी पूरे तनाव के दौरान पाकिस्तान के साथ खड़े दिखाई दिए।

भारत के एयरस्ट्राइक में पाकिस्तानी आर्तकियों की मौत की खबर आने के बाद एक्स पर लिखा था, हम इससे फिक्रमंद हैं कि पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव मिसाइल हमलों के कारण व्यापक संघर्ष में बदल सकता है, इसकारण बड़ी संख्या में नागरिक शहीद हो सकते हैं।

मैं हमलों में अपनी जान गंवाने वाले हमारे भाइयों के लिए अल्लाह से रहम की प्रार्थना करता हूं, और मैं फिर पाकिस्तान के भाई जैसे लोगों और पाकिस्तान के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

एसीबी टीम ने मुंबई पुलिस के सीनियर इंस्पेक्टर को एक लाख की रिश्वत लेते पकड़ा

मुंबई।

महाराष्ट्र एंटी करप्शन ब्यूरो ने मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के मुताबिक बाबूराव मधुकर देशमुख (57) को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है। वह मुंबई के शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के तौर पर तैनात थे।मीडिया रिपोर्ट में एसीबी अधिकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता एक शैक्षणिक ट्रस्ट का ट्रस्टी है। 15 अगस्त 2024 को कुछ व्यक्तियों के समूह ने स्कूल का गेट तोड़ दिया। इसके

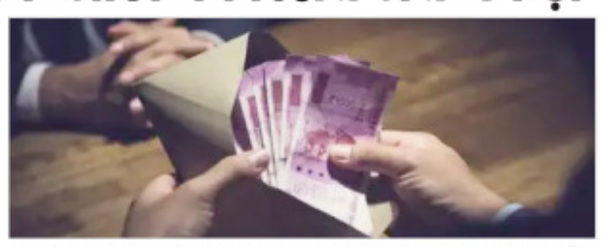

बाद वे ट्रस्ट परिसर में जबरन घुस गए थे। ट्रस्टी ने मुंबई के शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन और चैरिटी कमिश्नर में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में शिकायतकर्ता की मदद करने और चैरिटी कमिश्नर कार्यालय से अंतिम आदेश आने तक जबरदस्ती स्कूल परिसर में प्रवेश करने से रोकने के लिए देशमुख ने तीन लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। एसीबी के मुताबिक रिश्वत देने की बातचीत के बाद 2.5 लाख रुपए राशि तय हुई थी। देशमुख को 1 लाख रुपए की पहली किस्त लेते हुए पकड़ा गया। एसीबी टीम ने उन्हें पकड़ने के लिए जाल बिछाया था और बाद में उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार किया। फिलहाल इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में 6 करोड़ रुपये से अधिक का ड्रग्स जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

मुंबई।

मुंबई के गोवंडी इलाके में शिवाजी नगर पुलिस ने एक घर से 6 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग्स जब्त की है और वहां रहने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने के बाद मंगलवार रात पुलिस ने शेख के घर पर छापा मारा और वहां से ड्रग्स जब्त किया। इसके बाद पुलिस ने वहां रह रहे 23 वर्षीय आरोपी सलमान शेख को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान 6 करोड़ रुपये की 3 किलोग्राम मेफेड्रोन एमडी ड्रग्स, 2.40 लाख रुपये का 12 किलोग्राम गांजा, 18 हजार रुपये की कोडीन फॉस्फेट (कोरेक्स) की 36 बोतलें और 1.30 लाख रुपये नकद जब्त किए गए। आरोपी शेख को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उसने ड्रग्स कहां से प्राप्त किया।

पुणे और मुंबई हवाई अड्डे पर 10.3 करोड़ रुपये मूल्य की हशीश जब्त

मुंबई।

महाराष्ट्र में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने पुणे हवाई अड्डे और मुंबई में करीब 10.3 करोड़ रुपये मूल्य की हशीश सहित मादक पदार्थ जब्त किए है। इसकी जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। मामले में दो को गिरफ्तार भी किया गया है। अधिकारी ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर डीआरआई की मुंबई क्षेत्रीय इकाई ने बैंकॉक से पुणे उतरने पर दो यात्रियों को रोक लिया। इस दौरान जब उनके सामना की तलाशी ली गई, तब उनके बैग से 9.86 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड (एक प्रकार का मारिजुआना) के एयरटाइट पाउच बरामद हुआ। वहीं, मुंबई में भी इसतरह की कार्रवाई में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति के पास से तलाशी में हशीश और हाइड्रोपोनिक वीड सहित 478 ग्राम मादक पदार्थ बरामद हुए हैं। बता दें कि यह कोई पहला मौका नहीं है, जब ड्रग्स को लेकर इस तरह की कार्रवाई की गई। इससे पहले भी महाराष्ट्र के अलग-अलग जिलों से कई लोगों की ड्रग्स मामले को लेकर गिरफ्तारी की जा चुकी है।

पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर एक संदिग्ध व्यक्ति गिरफ्तार

जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिले इनपुट पर कार्रवाई

पठानकोट। पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। संदिग्ध जम्मू से पूजा एक्सप्रेस से पठानकोट आ रहा था। जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिले इनपुट पर पठानकोट रेलवे पुलिस ने संदिग्ध को पकड़ लिया। ट्रेन से उतरते ही संदिग्ध को हिरासत में लेकर कठुआ जीआरपी के हवाले कर दिया है। जम्मू-कश्मीर रेलवे पुलिस को संदिग्ध की गतिविधियों पर पहले से शक था। संदिग्ध की पहचान और उसके इरादों के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। यह क्षेत्र पहले भी आतंकी गतिविधियों के लिए संवेदनशील रहा है। जम्मू-कश्मीर और पंजाब सीमा पर हाल में संदिग्ध गतिविधियां देखी गई हैं। घटना के बाद पठानकोट और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बता दें कि बठिंडा में पुलिस ने आर्मी कैंट में काम करने वाले एक जासूस को गिरफ्तार किया था। शख्स का नाम रकीब है। रकीब आर्मी कैंट में दर्जी का काम करता था। बठिंडा आर्मी कैंट के अधिकारियों को रकीब की गतिविधियों पर शक हुआ, उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रकीब को अरेस्ट कर लिया। पुलिस ने रकीब का फोन जब्त कर फोरेंसिक लैब भेज दिया। पुलिस को उम्मीद है कि उसके फोन से कुछ अहम जानकारियां मिल सकती हैं।

भारत की सीमा पर अबतक बिहार के 4 जवान हुए शहीद

पटना। हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद अबतक बिहार के चार जवान शहीद हो चुके है। जम्मू-कश्मीर के आरएस पुरा सेक्टर में पाकिस्तान की गोलीबारी के दौरान बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज शहीद हो गए। वो छपरा के रहने वाले थे। जबकि सीवान के रहने वाले आर्मी जवान रामबाबू सिंह सीमा की सुरक्षा करते शहीद हो गये। उधर छत्तीसगढ़ में पोस्टेड जहानाबाद के रहने वाले सौरभ भी शहीद हो गये हैं। बीमारी के कारण सौरभ की मौत की बात कही जा रही है। देश के लिए अपनी जान गंवाने वालों में बिहार के एक और लाल का नाम शामिल हो गया। जो नवादा के कोआकोल के रहने वाले आर्मी जवान मनीष कुमार हैं। इनकी ड्यूटी जम्मू-कश्मीर की सीमा पर लगी थी। शहीद के पिता को सेना के कर्नल ने बेटे की शहादत की जानकारी दी। शहीद मनीष कुमार के पार्थिव शरीर को आज गुरुवार 15 मई को नवादा स्थित उनके पैतृक गांव में लाया जाएगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717